भीलवाड़ा/ बुधवार 25 सितम्बर 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09 अंक: 04 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

न्यूज इनबॉक्स

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की राजयपाल से मुलाकात

नमस्ते राजस्थान

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2023 बैच के नौ प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से मुलाक़ात के दौरान आह्वान किया कि वे राष्ट्र के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता और समर्पण भाव रखते हुए कार्य करें। उन्होंने इन अधिकारियों से आम जन के प्रति संवेदनशील होकर विकास योजनाओं व जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन की भी बात कही। उन्होंने आमजन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने और राष्ट्र राज्य के हित में निरंतर उत्कृष्ट सेवाएं देने पर जोर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सीएम की शिष्टाचार भेंट, रेलवे विस्तार पर चर्चा

नमस्ते राजस्थान

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट थी, जिसमें राजस्थान में रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने वैष्णव का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। चर्चा के दौरान राजस्थान में रेलवे के विकास और सुधार के लिए संभावित परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई। इस मुलाकात में सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं ने राज्य में रेलवे के विभिन्न प्रोजेक्ट्स और सुविधाओं के विकास पर सहमति जताई।

सीएम भजनलाल शर्मा हरियाणा और झारखंड में करेंगें चुनावी सभाओं को संबोधित

भाजपा के स्टार प्रचारक है मुख्यमंत्री भजनलाल

नमस्ते राजस्थान

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अब जल्द हरियाणा और झारखंड में चुनावी सभाओं को संबोधित कर भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगे। बता दें कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राजस्थान के पांच नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है उनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी प्रमुख रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री के साथ ही उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी स्टार प्रचारक बनाए गए हैं। सीएम भजन लाल शर्मा आगामी 26 और 27 सितंबर को हरियाणा में विभिन्न चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे, जबकि 28 सितंबर को झारखंड के देवघर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा जनसभा को संबोधित करेंगे। यह दौरा भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी आगामी चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इन जनसभाओं का आयोजन कर रही है।

26 सितंबरः हरियाणा में तीन प्रमुख जनसभाएं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 26 सितंबर को हरियाणा के समलखा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी मनमोहन भड़ाना के समर्थन में अनाज मंडी, समलखा में जनसभा को संबोधित करेंगे।

27 सितंबरः चुनावी दौरे का दूसरा दिन

चुनावी दौरे के दूसरे दिन यानी 27 सितंबर को मुख्यमंत्री हरियाणा में तीन अन्य जनसभाओं में शिरकत करेंगे। पहली जनसभा करनाल जिले के जुण्डला अनाज मंडी में भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र राणा के समर्थन में होगी। दूसरी जनसभा बापोदा गांव में तोशम विधानसभा क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी श्रुति चौधरी के समर्थन में आयोजित की जाएगी। तीसरी जनसभा नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अभय सिंह यादव के समर्थन में नांगल चौधरी की अनाज मंडी में होगी।

28 सितंबरः झारखंड में परिवर्तन यात्रा

हरियाणा की चुनावी सभाओं के बाद, मुख्यमंत्री 28 सितंबर को झारखंड के देवघर जाएंगे, जहां वे भाजपा की परिवर्तन यात्रा के तहत एक महत्वपूर्ण जनसभा को संबोधित करेंगे। झारखंड में यह सभा भाजपा की आगामी रणनीतियों और राज्य में पार्टी के जनाधार को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस दौरे से भाजपा को हरियाणा और झारखंड दोनों राज्यों में चुनावी फायदा होने की उम्मीद है।

इसके बाद, वे राई विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गहलावत के समर्थन में राई के कम्यूनिटी सेंटर में एक और जनसभा करेंगे। इसी दिन, इन्द्री विधानसभा में राम कुमार कश्यप के समर्थन में बजाज फार्म में भी एक जनसभा आयोजित की जाएगी।

आवंटित फ्लैटो का कब्जा नही देना पड़ा भारी, कलेक्टर की गाड़ी सीज

नमस्ते राजस्थान

सिरोही(निसं.)। कोर्ट के आदेश पर जारी वारंट पर मंगलवार को कोर्ट कर्मचारी सिरोही कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर सिरोही जिला कलेक्टर के सरकारी वाहन को सीज कर दिया गया। कोर्ट की ओर से बकायदा इस वाहन पर नोटिस चस्पा कर इसका उपयोग नहीं करने के लिए पाबंद किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सिरोही और पिंडवाड़ा में फ्लैट्स बनाए गए थे। इन फ्लेटों को लॉटरी के माध्यम से अलॉट किया गया था। लॉटरी से पहले आवेदकों से और लॉटरी खुलने के बाद आवंटियों की ओर से राशि जमा करवाई गई थी। कई साल बीतने पर भी इन फ्लेटों के कब्जे आवंटियों को नहीं दिया गए। इससे परेशान होकर आवंटियों की ओर से सरकार से उनकी राशि लौटाने का आवेदन किया गया था। इसके बाद भी उन्हें यह राशि नही लौटाई जा रही थी। इस कारण एक आवंटी सोनूकंवर की ओर से अपनी राशि लौटाने के लिए सिरोही की स्थायी लोक अदालत में परिवाद दायर किया गया था। इसमें नगर परिषद पिंडवाड़ा और जिला कलेक्टर सिरोही को भी पार्टी बनाया गया था। न्यायालय की ओर से 26 जनवरी 2024 को सोनूकंवर के पक्ष में अवार्ड जारी करने का आदेश पारित हुआ था।

अब कुसुम यादव होंगी हेरिटेज निगम की कार्यवाहक मेयर

भाजपा से बागी होकर निर्दलीय लडा था चुनाव

नमस्ते राजस्थान

जयपुर(कासं.)। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में निर्दलीय पार्षद कुसुम यादव कार्यवाहक मेयर होंगी। कुसुम यादव का कार्यकाल 2 महीने का रहेगा। बता दें कि पार्षद चुनाव के वक्त भारतीय जनता पार्टी ने कुसुम यादव को टिकट नहीं दिया था। इसके बाद कुसुम ने पार्टी से बागी होकर निर्दलीय पार्षद का चुनाव जीता था। हालांकि चुनाव जीतने के बाद यादव ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन दिया था। तब बीजेपी ने उन्हें मेयर पद का उम्मीदवार भी बनाया था।

पूर्व नगर निगम अध्यक्ष की है पत्नी

बता दें कि कुसुम यादव भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और पूर्व नगर निगम अध्यक्ष अजय यादव की धर्मपत्नी है। वहीं कुसुम खुद भी दूसरी बार नगर निगम में पार्षद बनी है। इससे पहले वह सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी है। वहीं, नगर निगम हेरिटेज में बीजेपी की स्थिति भी अब मजबूत हो गई है। कांग्रेस पार्टी के 8 पार्षद बिना शर्त भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके हैं। ये लोग मुनेश गुर्जर से प्रताड़ित होकर उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। 21 सितंबर को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से इन पार्षदों की अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। इसमें से 8 पार्षदों ने उसी वक्त बीजेपी में आने का फैसला किया था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बिना शर्त बीजेपी जॉइन करने का हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र दिया था।

इन पार्षदों ने भाजपा का दामन थामा

मनोज मुद्गल वार्ड 35, उत्तम शर्मा वार्ड 49, ज्योति चौहान वार्ड 46, सुशीला देवी वार्ड 63, अरविंद मीठी वार्ड 71, मोहम्मद जकरिया वार्ड 65, पारस जैन वार्ड 80, संतोष कर वार्ड 78 ने भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर बिना शर्त समर्थन पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिया। एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी पार्षद भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क में हैं। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में कुल 100 पार्षद हैं। इनमें 47 पार्षद कांग्रेस, 42 पार्षद बीजेपी और 11 पार्षद निर्दलीय चुनाव जीते थे। इनमें से 9 ने कांग्रेस पार्टी को समर्थन दिया था। दो ने भारतीय जनता पार्टी को समर्थन दिया था। लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेसी पार्षद नीरज अग्रवाल ने बीजेपी जॉइन कर ली थी। अब मेयर मुनेश गुर्जर को पार्षद पद से भी सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद नगर निगम हेरिटेज में कुल पार्षदों की संख्या 99 पहुंच गई है। ऐसे में 50 पार्षदों की संख्या बहुमत के लिए पर्याप्त है। कांग्रेस के 8 पार्षदों के बीजेपी जॉइन करने के बाद भारतीय जनता पार्टी बहुमत के आंकड़े को पार कर गई है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'मरुकांतार स्पंदन' में की शिरकत

एबीवीपी के उम्मीदवार छात्र हितों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पितः दीया कुमारी

नमस्ते राजस्थान

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से आयोजित 'मरुकांतार स्पंदन 2.0' विद्यार्थी मिलन समारोह 2024 में भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्विनी शर्मा और रामजस कॉलेज के प्रिंसिपल अजय अरोड़ा समेत कई प्रतिष्ठित अतिथि और विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को न केवल एकजुट करते हैं, बल्कि उनके नेतृत्व कौशल को निखारने और उन्हें भविष्य के राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, और ऐसे मंच उन्हें अपने विचार साझा करने और नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के आगामी छात्र संघ चुनावों के लिए भी छात्रों को प्रेरित किया और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार ऋषभ चौधरी, उपाध्यक्ष पद के लिए भानु प्रताप सिंह, सचिव पद के लिए मित्रविंदा कर्णवाल और संयुक्त सचिव पद के लिए अमन कपासिया के समर्थन में वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि एबीवीपी के उम्मीदवार छात्र हितों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित हैं। समारोह के दौरान छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लिया, जिससे छात्रों में टीमवर्क और नेतृत्व का विकास हुआ। 'मरुकांतार स्पंदन' जैसे आयोजन न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भजनलाल सरकार में प्रशासनिक फेरबदल जारी, 11 आईपीएस को पोस्टिंग

नमस्ते राजस्थान

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में लगातार तीसरे दिन पुलिस प्रशासन विभाग में तबादला किया गया है। 22 सितंबर को प्रदेश में 22 आईएएस अधिकारी और 58 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया था। इसके बाद दूसरे दिन सोमवार को 183 आरएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। अब तीसरे दिन मंगलवार को भी पुलिस विभाग में ट्रांसफर-पोस्टिंग की चिट्ठी जारी की गई है। जिसमें 11 आईपीएस अधिकारियों को नाम लिस्ट में शामिल है जिनकी पोस्टिंग हुई है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी चिट्ठी में 11 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। वहीं 11 अधिकारियों में 7 ऐसे आईपीएस अधिकारी है जो प्रशिक्षण कर लौटे हैं। अब उनकी पोस्टिंग की गई है। लिस्ट में अमित जैन, रमेश, निश्चय प्रसाद एम, प्रशांत किरण, हेमंत कलाल, अभिषेक अंडासु, विनय कुमार डी एच, पंकज यादव, आदित्य काकडे, विशाल जांगिड और शिवानी का नाम शामिल हैं। लिस्ट में शामिल 7 आईपीएस अधिकारी ऐसे हैं जो प्रशिक्षण से लौटे हैं। इन सभी 7 आईपीएस अधिकारियों ने मंगलवार को सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। सीएम से मुलाकात करने वाले आईपीएस अधिकारियों में निश्चय प्रसाद एम, हेमंत कलाल, विनय कुमार डी एच, पंकज यादव, आदित्य काकडे, विशाल जांगिड और शिवानी शामिल हैं।

प्रशिक्षण से लौटे सात नए आईपीएस को मिली पोस्टिंग

निश्चय प्रसाद एम- सहायक पुलिस अधीक्षक, राजगढ़, चुरु
हेमंत कलाल- सहायक पुलिस आयुक्त, जोधपुर पूर्व
विनय कुमार डी एच- सहायक पुलिस आयुक्त, बस्सी, जयपुर
पंकज यादव- सहायक पुलिस अधीक्षक, भरतपुर
आदित्य काकडे- सहायक पुलिस आयुक्त, मानसरोव, जयपुर
विशाल जांगिड- सहायक पुलिस अधीक्षक, बीकानेर
शिवानी- सहायक पुलिस अधीक्षक, अलवर

बता दें कि 23 सितंबर को 183 आरएएस अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की लिस्ट जारी हुई थी जिसमें आधे नाम ऐसे थे, जिनका पिछली सूची में नाम था। 6 सितंबर को कार्मिक विभाग की ओर से जारी की गई ट्रांसफर की लिस्ट राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 386 अधिकारियों का नाम था। अब नई सूची के हिसाब से आधे अधिकारियों का 17 दिनों में ही फिर से तबादला किया गया।

इजरायल ने लेबनान में फिर बरसाए बम, 558 की मौत

नमस्ते राजस्थान

यरुशलम(एजेंसी)। मिडिल ईस्ट के देश लेबनान और इजरायल 18 साल बाद एक बार फिर से आमने- सामने आ गए हैं। लेबनान के संगठन हिज्बुल्लाह के लगातार हमलों के जवाब में अब इजरायल ने हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इजरायल एयर डिफेंस फोर्स ने लेबनान में हिज्बुल्लाह के करीब 1600 ठिकानों पर बमबारी की। मंगलवार को भी इजरायल की तरफ से दर्जनों मिसाइलों और रॉकेट दागे गए। एयर

स्ट्राइक में अब तक 558 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 50 बच्चे और 94 महिलाएं शामिल हैं। इजरायल के हमलों में घायलों की संख्या भी 2 हजार के करीब पहुंच चुकी है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 1835 लोग जख्मी हुए हैं। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों के लिए मैसेज भेजा है। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल की लड़ाई लेबनान में हिज्बुल्लाह से है. लिहाजा लोग इस जंग के बीच में न आएं। ताजा हमलों के बीच इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के नागरिकों के लिए मैसेज भेजा। उन्होंने कहा कि "इजरायल की जंग लोगों से नहीं, बल्कि हिज्बुल्लाह से है। हिज्बुल्लाह लेबनान के लोगों को ढाल बना रहा है. हिज्बुल्लाह ने हमारे घरों पर रॉकेट दागे। हमने हमारे लोगों को बचाने के लिए ये हमले किए हैं। लेबनान के नागरिक अपनी जान जोखिम में न डालें। इस जंग के बीच में न आएं। हमारा ऑपरेशन खत्म होने के बाद आप अपने घरों में लौट सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2006 में इजरायल और लेबनान के बाद सीधी जंग हुई थी। उसके बाद लेबनान पर हुआ ये अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। 2006 में दोनों देशों के बीच करीब एक महीने तक जंग चली थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा से लौटे, नेताओं ने बताया ऐतिहासिक

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा समाप्त कर वतन वापस आ गए हैं। वे विमान से मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को विलमिंगटन में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने रविवार को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय- अमेरिकी समुदाय के हजारों सदस्यों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य का शिखर सम्मेलन' को संबोधित किया। उन्होंने इन तीनों दिन विश्व के नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी की। उनके दौरे को देश में उनकी सरकार के

साथियों समेत उनकी अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं ने ऐतिहसिक करार दिया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने ट्वीट किया, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करता हू क्योंकि वे संयुक्त राज्य अमेरिका की सफल यात्रा के बाद भारत लौट रहे हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे राजनेता के नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने राष्ट्रों के बीच भारत की स्थिति को मजबूत किया है और निस्संदेह एक बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं, जो समुदायों और देशों को एक साथ ला रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में उनका संबोधन विश्व नेताओं के लिए भारत के महत्व और आने वाले वर्षों में वैश्विक मंच पर हमारी भूमिका के महत्व का प्रमाण है।'नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने के लिए लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णयों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं और उनसे उत्पन्न होने वाले नए अवसरों को लेकर बिहार की जनता उत्साहित है।' केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि एक भारतीय होने के नाते मुझे प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व है। उनकी हर अंतरराष्ट्रीय यात्रा न केवल देश के सम्मान को बढ़ाती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की मजबूत पहचान को भी बढ़ाती है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अगर भारत कुछ बोलता है तो दुनिया सुनती है, क्योंकि भारत ने हर क्षेत्र में योगदान दिया है। जिस तरह से प्रधानमंत्री ने अलग-अलग कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूत पहचान को दर्शाता है। क्वाड समिट में भी अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई। यह एक मजबूत भारत, एक विकसित भारत की ओर एक कदम है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं और इस यात्रा के सफल समापन के लिए उन्हें बधाई देता हूं।' बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने के लिए लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णयों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा।

जयपुर: राजस्थान में जमीन के पट्टों को लेकर नियमों में हुआ ये बड़ा बदलाव, भजनलाल सरकार ने आदेश किए जारी..

नमस्ते राजस्थान

जयपुर: राजस्थान के धौलपुर जिले में जमीन का पट्टा बनवाने के लिए अब आमजन को सरकारी दफ्तर के बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार को पट्टे जारी नहीं करने को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद अब नियमों में बदलाव कर दिया है। बदलाव के बाद नगर परिषद सभापति और आयुक्त पट्टे की फाइल को अब 15 दिनों से ज्यादा नहीं रोक सकेंगे। वहीं जिस-जिस अधिकारी के पास पट्टे की फाइल पहुंचेगी तो उसकी जानकारी आवेदनकर्ता के मोबाइल पर मिलेगी। धौलपुर शहर के लोगों के लिए अच्छी खबर है, वह अपनी जमीन का पट्टा बनवाने के लिए परेशान हो रहे है तो अब उनको परेशान नहीं होना पड़ेगा।

इस उमसभरी गर्मी में अब सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे। अभी तक पट्टे के लिए नगर परिषद के चक्कर लगाते थे, जिसमें कभी अधिकारी नहीं तो कभी कर्मचारी नहीं होने से उनकी फाइल मेज पर ही रखी रहती थी। फाइल को महीनें बीत जाते थे, लेकिन वह आगें नहीं बढ़ पा रही थी। लेकिन अब सरकार के बदले नियमों में अधिकारी पट्टे के आवेदनकर्ता को परेशानी नहीं कर सकेंगे।स्वायत्त शासन के निदेशक और विभाग के विशिष्ट सचिव कुमार पाल गौतम ने आदेश जारी किया है। जिसमें कहा कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान पट्टों पर मुख्यमंत्री की फोटो दिखाई देती थी। इस प्रारूप में बदलाव करते हुए अब पट्टा बिल्कुल सामान्य रखने का निर्णय लिया है। पट्टे पर केवल अब पट्टास्वामी की फोटो चिपकाने का निर्णय लिया है। वहीं, निदेशक ने सय निर्देश दिए है कि अब नगर परिषद के अधिकारी पट्टों की फाइल को 15 दिन से ज्यादा नहीं रोक सकते है।

सात चरणों से गुजरती है एक फाइल:

अगर आप अपने पट्टे के लिए आवेदन करते है तो आपको सरकार की ओर से नियुक्त नगर मित्र के यहां से आवेदन करना होगा। जिसके बाद वह आवेदन नगर परिषद कार्यालय में पहुंचेगा। जहां से पट्टे की फाइल में लगे दस्तावेजों का सत्यापन होगा। उसके बाद फाइल को आगे बढ़ाया जाएगा। इस फाइल को नगर परिषद के आठ अधिकारी सत्यापन करेंगे। जहां से चलकर आगे पट्टा जारी होगा। वहीं इस पूरी प्रक्रिया के लिए आवेदनकर्ता की ओर से पंजीकृत मोबाइल नबर पर हर चरण की अपडेट मिलती रहेंगी। नगर परिषद कार्यालय में अभी तक 60-70 पट्टे की ऑफलाइन फाइल लंबित पड़ी हुई है। जिनपर कार्य चल रहा है। वहीं ऑनलाइन की 8 से 10 फाइल लंबित चल रही है।

आमजन को होगा फायदा:

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पट्टा बनाने के लिए आम लोगों को बार-बार सरकारी दतरों के चक्कर काटने पड़ते थे। किसी-किसी को तो कई बार कोशिशों के बाद भी पट्टा बनने में सालों का समय लग जाता था और अफसर अपने चहतों के पट्टे फाइलों को तुरंत कर देते थे। इन सभी समस्याओं का समाधान को लेकर स्वायत्त शासन निदेशालय की ओर से यह आदेश जारी किया गया है।

स्वायत्त शासन विभाग की ओर से आदेश जारी हुआ है। जिसके बाद नगर परिषद कार्यालय में सभी को दिशा निर्देश बता दिए गए है। अब सभी ऑनलाइन सिस्टम है कोई भी कर्मचारी पट्टे की फाइल नहीं रोक सकेगा।- अशोक कुमार शर्मा, आयुक्त नगर परिषद धौलपुर।

रिश्वतखोरी पर लगेगी रोक:

अभी तक पट्टे की फाइल का कार्य ऑफलाइन होता था। जिसमें कई ऐसे दलाल आवेदनकर्ता को मिल जाते थे जो जल्दी पट्टा जारी कराने का आश्वासन देते थे। जो आवेदनकर्ता से कई बार दलाली को लेकर रुपए भी वसूल लेते थे। लेकिन उसके बाद भी महीनों फाइल रूकी रहती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। पट्टे की फाइल अब ऑनलाइन होने से सभी प्रकार की रिश्वतखोरी बंद हो जाएगी।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्ता से निस्तारण करें अधिकारी-जिला कलक्टर

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक में जेजेएम के कार्यों की समीक्षा भी की

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक घर में नल से शुद्ध पेयजल पंहुचाने की योजना जल जीवन मिशन के तहत जिले में सफल क्रियान्वयन के लिये जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक समीक्षा बैठक तथा साप्ताहिक समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज विभिन्न विभागों के प्रकरणों के समयबद्ध व गुणवत्ता से निस्तारण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल के प्रकरणों में औसत निस्तारण के समय को कम कर पेंडेंसी निस्तारण के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सीएमओ एवं पीएमओं के प्रकरणों के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिये। जिला

कलक्टर ने बैठक में विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

प्रभावी मॉनिटरिंग से जेजेएम के अन्तर्गत शेष ब्लॉक को भी करे सेचुरेट

बैठक मे जन स्वा.अभि.विभाग के अधीक्षण अभियन्ता राजपाल सिंह ने जल जीवन मिशन की प्रगति के बारें में अवगत करवाया। चम्बल प्रोजेक्ट के अधीक्षण अभियन्ता विनोद कुमार गर्ग एवं अधीक्षण अभियन्ता बी.एस.नकलक ने पीपीटी के माध्यम से वर्ष 2024-25 में मेजर कार्यां के अन्तर्गत नल कनेक्शन की खंड वाइज प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में मेजर कार्यों के अन्तर्गत नल कनेक्शन का 15 हजार का टारगेट दिया गया था जिसके विरुद्ध अब तक 15 हजार 885 नल कनेक्शन किए जा चुके। जिला कलक्टर ने लक्ष्य की प्राप्ति पर अपनी संतुष्टि जाहिर करते हुए कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने पीएचईडी के अधिकारी से पाइप लाइन बिछाने के लिए काटी गई सड़कों के गुणवत्तापूर्ण मरम्मत के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों में गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान देने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य किए जाएं। जिला कलक्टर ने जेजेएम के कार्य में प्रगति लाने एवं मांडलगढ़ ब्लॉक में शेष रहे घरों को जल्द से जल्द टैप कनेक्शन उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश दिए ताकि मांडलगढ़ ब्लॉक जिले का सैचुरेटेड ब्लॉक बन सके। जिला कलक्टर ने नल कनेक्शन से शेष रही स्कूल स्कूलों एवं आंगनबाड़ी, ग्राम पंचायत भवन तथा हैल्थ सेंटर को जल कनेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया। वरिष्ठ रसायनज्ञ इकबाल हुसैन ने जल नमूनों की सैम्पलिंग संबंधी जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) प्रतिभा देवठिया, अधीक्षण अभियंता एवीवीएनएल वी.के.संचेती, चिकित्सा विभाग से डॉ.संजीव शर्मा, वन विभाग से जय श्री देराश्री, पशुपालन विभाग से डॉ.ए.के.सिहं, अधिशाषी अभियंता बख्सु गुर्जर, के.के. अग्रवाल, सिद्धार्थ टॉक,राम राय सोमानी, जिला कन्सल्टेंट डी.एस.यू. मुकेश कुमार शर्मा, आईएसए के कमलेश गुर्जर एवं जन स्वास्थ्य अभि. विभाग के सभी अभियंता सहित सम्बन्धित सदस्य और जिला पदाधिकारी मौजूद रहें।

आई.टी.आई. में रिक्त रही सीटो पर आवेदन आमंत्रित

भीलवाड़ा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भीलवाड़ा एवं हमीरगढ केम्प भीलवाडा में प्रवेश हेतु रिक्त रही सीटो पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। सत्र 2024-25/26 में एनसीवीटी/एससीवीटी योजनान्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में रिक्त रही सीटो पर प्रवेश के लिए संस्थान स्तर पर सीधे प्रवेश प्रक्रिया द्वारा प्रवेश आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए है। उपनिदेशक प्रशिक्षण अरविन्द कुमार मान ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी राज्य सरकार के एकीकृत एसएसओं पोर्टल अथवा ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से सीधे प्रवेश हेतु 26 सितंबर मध्यरात्री तक भरे जा सकेंगे तथा आवेदन पत्र की हॉर्ड कोपी 27 सितंबर को सांय 5 बजे तक संस्थान में जमा करानी होगी। प्रवेश 30 सितंबर को प्रातः 11 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भीलवाड़ा में होंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नं. 9929457862 व 9413054225 पर सम्पर्क करें।

पहले कलक्टर और डीईओ को,फिर आरटीआई आवेदक को नहीं दी सूचना,अब सूचना आयोग को कर दिया गुमराह !

नमस्ते राजस्थान

सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 का किस प्रकार से खुला माखौल जिला परिषद अलवर की ओर से उड़ाया जा रहा है, इसका एक उदाहरण देखने के लिए सामने आया है । एक आवेदक चंदन कौशिक ने अप्रैल महीने में जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी से जिला परिषद की जिला स्थापना समिति की बैठक कारवाई विवरण की प्रतियां मांगी थी क्योंकि इन दोनों अधिकारियों के हस्ताक्षर भी मीटिंग मिनटस पर होते हैं। इसके बाद दोनों ही अधिकारियों ने अपने कार्यालय में यह सूचना उपलब्ध नहीं होने की बात लिखते हुए प्रकरण को मुख्य कार्यकारी जिला परिषद अलवर को अंतरित कर दिया। अंतरण के बाद भी सूचना नहीं मिलने पर आवेदन ने जिला प्रमुख के सामने पहली अपील पेश की । इसका भी कोई उत्तर को नहीं मिला तो राज्य सूचना आयोग में दूसरी अपील पेश करने पर जुलाई में जिला परिषद अलवर को दो अलग-अलग दूसरी अपील नोटिस जारी हुए जिसकी पेशी 27 सितंबर को है। नोटिस में राज्य सूचना आयोग ने निर्देश दिया था कि 21 दिन के अंदर राज्य सूचना आयोग और अपील करने वाले व्यक्ति को रजिस्टर्ड डाक से अपील के उत्तर की प्रति भिजवाई जाए। 2 महीने तक जिला परिषद ने राज्य सूचना आयोग के पत्र पर न तो कोई कार्रवाई की न हीं राज्य सूचना आयोग को यह बताया कि आवेदक को सूचना व्यक्तिगत रूप से दे दी गई है, लेकिन पेशी से ठीक महज कुछ घंटों पहले राज्य सूचना आयोग और आवेदक दोनों को पत्र भेजा गया कि आवेदक को व्यक्तिगत रूप से सूचना जून में दे दी गई है जबकि आवेदक चंदन कोशिक कहना है कि जिला परिषद की ओर से कोई व्यक्तिगत सूचना नहीं दी गई। न तो वह कभी जिला परिषद गया और न हीं उसने आवेदन में कभी अपना मोबाइल नंबर अंकित किया। जिला परिषद ने किस प्रकार व्यक्तिगत सूचना दी और किस प्रकार मुझसे संपर्क स्थापित किया ,इसकी जांच कराई जाए । साथ ही जो रसीद जिला परिषद अलवर की ओर से राज्य सूचना आयोग को भिजवाई गई है उसकी प्रति भी मुझे नहीं दी गई जिससे कि यह पता चल पा रहा की रसीद पर हस्ताक्षर मेरे हैं भी या नहीं। आवेदक कौशिक का कहना है कि यदि जिला परिषद ने सूचना उपलब्ध कराने का पत्र जून में ही तैयार कर लिया था तो इसकी सूचना जुलाई में राज्य सूचना आयोग का नोटिस जारी होने के बाद राज्य सूचना आयोग और आवेदक को क्यों नहीं दी । पेशी से ठीक 8 दिन पहले आवेदक की दूसरी अपील को खारिज करने के लिए पावती रसीद तैयार कर राज्य सूचना आयोग को भेजी गई है । चंदन कौशिक ने कहा कि जब तक उन्हें जिला परिषद अलवर की ओर से राज्य सूचना आयोग को भिजवाई गई रसीद की प्रति नहीं भेजी जाएगी तब तक यह साबित नहीं हो सकता कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुझे सूचना दे दी है। सूचना आयोग के नोटिस में अंकित किए गए निर्देशों के अनुसार जिला परिषद को रजिस्टर्ड डाक से सूचना भिजवानी चाहिए थी लेकिन जिला परिषद ने ऐसा नहीं किया । यह भी गौरतलब है कि जुलाई में जब राज्य सूचना आयोग ने जिला परिषद अलवर को नोटिस जारी किया तो 21 दिन में सूचना उपलब्ध कराने का नोटिस दिया था जिसमें की रजिस्टर्ड डाक से पते पर भेजने के लिए कहा गया था लेकिन जिला परिषद के संबंधित अधिकारी अधिकारी कर्मचारियों ने राज्य सूचना आयोग के निर्देश के बाद भी 21 दिन में रजिस्टर्ड सूचना पते पर सूचना नहीं भेजी । आवेदक चंदन कौशिक का कहना है कि सूचना नहीं दिए जाने के पीछे बड़ा खेल है जो की आने वाले समय में सामने आ जाएगा। आवेदक चंदन कौशिक ने यह भी कहा कि जब जिला परिषद मीटिंग मिनट्स पर हस्ताक्षर करने वाले जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को ही बैठक कारवाई विवरण नहीं देते हैं तो भला मुझे कैसे दे देते इसलिए ही यह सारा खेल रचा गया। कौशिक ने कहा कि जब राज्य सूचना आयोग ने अपील का उत्तर रजिस्टर्ड डाक से मेरे घर भिजवाने के लिए कहा था तो जिला परिषद में सूचना को व्यक्तिगत रूप से देने का उत्तर वहां क्यों भिजवाया जबकि व्यक्तिगत रूप से मुझे कोई सूचना दी ही नहीं गई है। उल्लेखनीय है कि जिला परिषद अलवर की जिला स्थापना समिति की ओर से लिए गए कई फैसले विवादित हो गए थे। कुछ की शिकायत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में भी की गई थी । कुछ अपात्र लोगों को शिक्षक और लिपिक बनाने का मामला भी सुर्खियों में रहा है । जिला स्थापना समिति के कई निर्णय विवादित हुए । उसी को लेकर आरटीआई लगाई गई थी।

राम भरोसे नगर परिषद एक पोस्ट दो आर ओ

भष्ट्राचारीओ के खिलाफ कार्रवाई नही हो इसलिए यह खैला हो रहा है

नमस्ते राजस्थान

सिरोही, कुछ दसकों पूर्व एक फिल्म बनीं थीं ₹ एक फूल दो माली ₹ ठिक नगर परिषद सिरोही में भी उसी फिल्म की कहानी दौराई जा रही है ₹ एक पोस्ट दो आर ओ ₹ गत मई जून में नगर परिषद सिरोही में आर ओ लगे श्री भंवराराम को आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार 15,15, दिनों तक बढ़ाते बढ़ाते फिर एक और आर ओ आशुतोष आचार्य को दिनांक 21/9/2024 को सिरोही नगर परिषद में लगाने के साथ ही भवराराम से आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार लेकर आर ओ आचार्य को 15दिनो का आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार दे दिया नगर परिषद सिरोही में आर ओ की एक पोस्ट है वर्तमान में भवराराम के अलावा आचार्य को पदस्थापित कर आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है क्या यह खेल कोई राजनीतिक लोग खेल रहे है या उच्च अधिकारी जो भी इस तरह की न्यूक्ति कई सवाल खड़े करतीं जो भी इस तरह की न्यूक्तियो से भाजपा सरकार

और संगठन की किरकिरी जनता में जरुर करवा रहे हैं आखिर जिला मुख्यालय की नगर परिषद सिरोही को स्थाई आयुक्त क्यों नहीं मिल पा रहा है जनता यह जानना चाहतीं की 15,15, दिनों के कार्यवाहक आयुक्तों के जरिए जनता को कौनसा विकास परोसना चाहते हैं राजस्थान मुन्सीपल सर्विस के माउंट आबू में पदस्थापित ईओ श्री शिवपाल सिंह राजपुरोहित को भी स्थाई अथवा अतिरिक्त कार्यभार देकर जनता की समस्याओं का निराकरण और उनके कार्यो को निपटाया जा सकता था जनता में कई प्रकार की चर्चा जोरों पर है जिसकी बोली ज्यादा वहीं नगर परिषद का कर्ता !

भष्ट्राचारीओ ने हद पार कर अवैध निर्माण अतिक्रमण बिना भू-उपयोग परिवर्तन निर्माण स्वीकृति किए जाँच होनी चाहिए

पालिका प्रशासन के विरुद्ध किए पट्टो की जाँच कर भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज करना चाहिए व सभी पत्रावलीओ को जब्त करनी चाहिए

नमस्ते राजस्थान

विवेकानंद बस स्टैंड के सामने पहाडीओ पर बने काम्पलैक्स की नीलामी नियमों के विपरीत हुई है

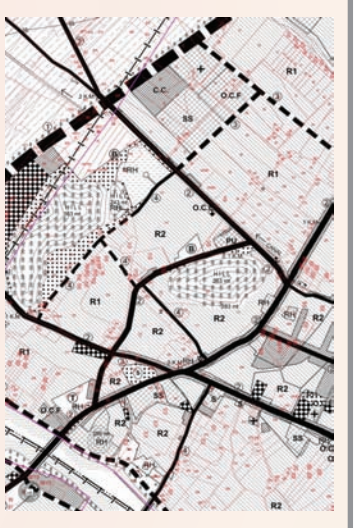

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र वह पैरा फेरी क्षेत्र में अवैध निर्माण कहो चाहे सरकारी जमीन पर कब्जा कहो या अधिशाषी अधिकारी योगेश आचार्य के हाथों किए गए काले कारनामे हो भ्रष्टाचार करने में इन्होंने कोई कमी नहीं रखी इन्होंने शहर में अवैध अस्पताल स्कूल सहित बड़े-बड़े कांपलेक्सो बने नहीं तो उनके निर्माण स्वीकृत है नहीं उनका वह भूउपयोग परिवर्तन है फिर भी खुले आम लोग धंधा करते हैं पालिका कोष को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ इसमें सरकार कहां चली गई क्योंकि जोधपुर अतिरिक्त निर्देशक स्वायत शासन विभाग आकर अपना आपदा लेकर चले जाते हैं नहीं करते कोई कार्रवाई क्योंकि जब सुमेरपुर नगर पालिका में आते हैं तो उनका लिफाफा हफ्ता भी बड़ा हो जाता है और बाजार से सब सामान भी अपनी गाड़ी में रखवाते क्योंकि इनकी रीति ऐसी हो गई है जयपुर निर्देशक स्थानीय निकाय विभाग वह आते नहीं और उनको सब बात का पता नहीं होता क्योंकि निदेशालय में बैठे भ्रष्टाचारियों ने इन्हीं अधिकारियों का ठेका ले रखा था मैं आपको यहां पर लगाऊंगा आप मेरे को इतने लाख रुपए दे देना इसके कारण सुमेरपुर नगर पालिका कोष खाली पड़ा है सबसे ज्यादा अवैध काम सुमेरपुर नगर पालिका में हुआ क्योंकि यहां पर जो भी अधिकारी जाकर नौकरी की है उनका फॉर्म हाउस जरूर बना है और भ्रष्टाचार की बिल्डिंग बड़ी खड़ी की है पर कार्रवाई आज तक कुछ नहीं हुई कुछ दिन पहले भ्रष्टाचार ब्यूरो ने आचार्य की जगह पर रेड की थी उनके साथ इनका खास साथी जयपुर विमलेश शर्मा के यहां पर भी भ्रष्टाचार की रेट पड़ी थी करोड़ों रुपए जब्त करके चले गए पर इनको आज भी खुला छोड़ा हुआ है क्यों इनको जेल भेजा जाता क्योंकि सरकारी धन का सबसे ज्यादा नुकसान इन लोगों ने किया सुमेरपुर नदी के किनारे पर देखो सैकड़ो कॉलोनी बस गई बड़ी-बड़ी स्कूल बन गई नहीं तो उसका वहाँ भू उपयोग परिवर्तन हुआ है आज खुलेआम चल रही है क्योंकि कभी बड़ा हादसा होगा उसका जिम्मेदार कौन होगा क्योंकि जिम्मेदारों ने तो धन लेकर चुपचाप बैठ गया सुमेरपुर विवेकानंद बस स्टैंड के सामने पहाड़ी पर भी बड़े-बड़े कांपलेक्स बन गए क्या प्रशासन की आंखों के सामने ले गया करोड़ों रुपए आचार्य ले गया और काम्पलैक्स बन गए इन्होंने सरकारी धन का बड़ा नुकसान करके यह काम किया है इन सभी कामपलैकश की जांच करवाया कर इस भ्रष्टाचारी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करवाने की मांग की गई है ऐसे ही सुमेरपुर के हर सड़क पर बड़े-बड़े कांपलेक्सो बन रहे हैं जिसका मास्टर प्लान में उपयोग भी क्या है और क्या हो रहा है इन्होंने मास्टर प्लान गुलाब कोठारी के आदेशों की धज्जियां उड़ाकर यह काम किए गए हैं क्योंकि योगेश आचार्य ने अपना घर भरने के लिए जनता को चूना लगाया वह पालिका कोष को खत्म किया क्योंकि अब लुटेरों की सरकार सुमेरपुर नगर पालिका कोष है और इस सरकार ने लूटने में कोई कमी नहीं किया क्योंकि जहां देखो वहां बड़े-बड़े भ्रष्टाचार कर रहे है लोग अतिक्रमण कर रहे हैं बिल्डिंग लैंड से बाहर निर्माण हो रहा है बड़े-बड़े कांपलेक्सो साइड बैक नहीं है मास्टर प्लान से बाहर बड़ी-बड़ी होटल हॉस्पिटल बन रही है बड़ी-बड़ी धर्मशाला स्कूल बन रही है कौन रुकवाएगा इन कामों को क्योंकि यहां की सरकार के पुत्र ही इन सब के साथ मिले हुए हैं क्योंकि सरकार को तो पता ही नहीं होता पर पुत्र के पास पहले पहुँच जाते है यह भ्रष्टाचारीओ इनको लगा होता है तब जाकर पुत्र से मिलकर उल्टा सीधा काम करते हैं उन्होंने तखतगढ़ रोड पर सांडेराव रोड पर जवाई बांध रोड पर कोलीवाडा रोड पर वह अन्य सुमेरपुर की सड़कों पर जो बड़े-बड़े निर्माण हुआ उन सभी की जांच होनी चाहिए ऐसे ही सुमेरपुर तहसील कार्यालय के सामने दो बड़ी हॉस्पिटल बनी है जिसका कोई सुरक्षा कवर नहीं है नहीं इनकी निर्माण स्वीकृत है ना भू उपयोग परिवर्तन हुआ है नहीं इनके साइड बैक छोड़ी हुई है आज भी निर्माण चालू है कब करवाई होगी देखते हैं

इनका क्या कहना है

सुमेरपुर नगर पालिका पार्षद प्रेमचंद बारूत ने बताया कि सुमेरपुर नगर पालिका में जितना भ्रष्टाचार हो रहा है आज तक के इतिहास में इतना भ्रष्टाचार नहीं हुआ इन्होंने खार्चा भूमि के नाम पर बड़े-बड़े प्लॉट देकर करोड़ों रुपए के पट्टे लॉख रुपए में देकर उन लोगों से वसूल किया जाएँ क्योंकि अधिकारी का रिटायरमेंट 31 तारीख लास्ट है उससे पहले जितना भ्रष्टाचार करना हो वह करें पालिका अध्यक्ष वह अधिकारी मिलकर यह उल्टा काम कर रहे हैं क्यों नहीं इनके विरुद्ध कार्रवाई करके जो भी अवैध कार्य हुआ है उनकी वसूली उनसे की जाए वह इनका रिटायरमेंट रोका जाए भाई ऐसे ही घर भेज दिया जाए उनके कामों की जांच करके फिर इनका एग्रीमेंट दिया जाए वह पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध कार्यवाही की जाए नहीं तो आने वाले अधिकारियों को एक फाइल भी नहीं मिलेगी जिसमे इन्होंने भ्रष्टाचार किया है क्योंकि यह लोग पहले फायल गायब कर देते हैं जिसमें बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है फर्जी पट्टे बने हैं उन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवाई जाए वह भ्रष्टाचार ब्यूरो ने सुमेरपुर नगर पालिका से दस्तावेज जब्त करके नहीं लें गएँ वह अपने जब्त करके ले जाने चाहिए क्योंकि आचार्य ने भी अन्य दस्तावेज गायब कर दिए होंगे बाकी के दस्तावेज यह गायब कर देंगे तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए

प्रेमचंद बारूत पार्षद नगर पालिका सुमेरपुर

कांग्रेस ने जिले भर के बांधों की नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत करा कर किसानों को बांधों से सिंचाई के लिय? पानी देने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा मंगलवार 24 सितम्बर। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने जिले भर के छोटे बड़े बांधों तथा लघु सिंचाई परियोजनाओं के तालाबों की नहरों की साफ -सफाई और मरम्मत कराने की मांग को लेकर जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया। त्रिपाठी ने बताया कि मेजा, कोठारी, उम्मेद सागर, नाहर सागर अरवड़ लड़की, खारी , गोवटा , पचानपुरा , डामटी -खोखरा सहित जिले भर के बांधों तथा लघु सिंचाई योजना के तालाबों की नहरों की सफाई नहीं होने से नहरें कचरे से अटी पड़ी है तथा जगह -जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिससे टेल के किसानों तक नहरों का पानी पहुंच पाना संभव नहीं होगा तथा रास्ते में ही पानी की बबार्दी होगी। इसलिए कांग्रेस पार्टी प्रशासन से पुर जोर तरीके से मांग करती है कि समय रहते हुऐ सभी नहरों की साफ-सफाई तथा मरम्मत का काम समय रहते कराया जाये ताकि बांधों के पानी की बबार्दी नहीं हो और किसानों को सिंचाई के लिय? पूरा-पूरा पानी मिल सके। चन्द्र प्रकाश अमरवाल ने बताया कि इस अवसर पर जिला सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष योगेश सोनी , मुस्ताक अली मंसूरी , गोरी शंकर दायमा , एडवोकेट भैरूलाल बैरवा , खेमराज पनवा , दिनेश बैरवा सहित कई कांग्रेस जन उपस्थित थे।

अक्षय त्रिपाठी जिलाध्यक्ष

राइजिंग राजस्थान 2024: भीलवाड़ा में खनन उद्योगों के लिए निवेश और विकास पर बैठक

माइन्स एजेंसियों के प्रतिनिधियों और माइन्स लीज धारक और संगठनों के साथ बैठक

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें माइन्स एजेंसियों के प्रतिनिधियों और माइन्स लीज धारक और संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राइजिंग राजस्थान 2024 के संबंध में बैठक में बताया गया कि राजस्थान सरकार 9-11 दिसंबर 2024 को राजस्थान राइजिंग कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें देश-विदेशों के निवेशकों के साथ एमओयू होंगे। भीलवाड़ा में 9 नवंबर 2024 को राइजिंग भीलवाड़ा 2024 आयोजित होगा, जिसमें निवेशकों के साथ एमओयू होंगे। नई औद्योगिक नीति, राजनिवेश नीति, एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति, लॉजिस्टिक्स नीति और टेक्सटाइल पॉलिसी लाई जाएंगी। भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क और नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। भीलवाड़ा जिलें में 9 नवंबर को आयोजन होटल ग्लोरिया इन में आयोजित किया जाना प्रस्तावित हैं। ईकाईयों के प्राथमिकता आधार पर हैण्डहोल्डिंग कर नियमानुसार सरकार की योजनाओं में लाभान्वित कराया जावेगा । जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे माइनिंग के क्षेत्र में निवेश करने वाले नए निवेशकों के साथ एमओयू करें और कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र महाप्रबंधक के.के. मीना ने बताया कि भीलवाडा जिले में टैक्सटाइल पार्क व नये औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किये जाने की कार्यवाही रीको लिमिटेड द्वारा प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा अभी तक 58 एमओयू साइन किये गये हैं जिसमें लगभग 1180 करोड़ का निवेश व 3662 रोजगार मिलने की संभावना है। जिला कलक्टर ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि माइनिंग के क्षेत्र में निवेश करने वाले नये निवेशको के साथ संबंधित विभाग एमओयू करें तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। बैठक में रसद विभाग , उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रीको के अधिकारियों को एमओयू से संबंधित सभी प्रक्रियाए निवेशकों को विस्तार पूर्वक बतायी तथा अधिक से अधिक एमओयू करने हेतु आग्रह किया। बैठक में सचिव यूआईटी ललित गोयल, एडीएम प्रतिभा देवतिया , खनि अभियंता चन्दन कुमार, रीको के एजीएम पी आर मीना, रसद अधिकारी ए. के. मिश्र , हिन्दुस्तान जिंक से किशोर कुमार व अभय गौतम, एचपीसीएल से अनिल गर्ग आईओसी के राजेश मीना , माइन्स प्रतिनिधि सत्यनारायण, वैभव, शंकर सिंह, रितिक तिवारी, अनिल चौधरी व पेट्रोल एसोसिएशन पदाधिकारी एवं माइन्स के औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों सहित लगभग 70 लोगो ने भाग लिया।

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली भारत की छवि

मधुकर पवार

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है।

इन दिनों समूचे भारत में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक व पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशनों तथा आसपास के परिसरों आदि की साफ झ सफाई के लिये विशेष सफाई अभियान चलाकर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि स्वच्छता अभियान सतत चलता रहे। विगत 19 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन प्रवास पर थीं। इस दौरान उन्होंने महाकाल परिसर में झाडू लगाकर श्रमदान कर यह संदेश दिया कि चाहे कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो, स्वच्छता उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी जन आंदोलन बन गया है। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये राष्ट्रपति ने कहा कि इंदौर ने लगातार सात बार देश का स्वछतम शहर बनने का कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी होने का गौरव प्राप्त है। राज्य के अनेक शहर वाटर प्लस और ओडीएफ डबल प्लस की श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का श्रेय अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण सन 2025 तक चलेगा। इस दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा करना है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी राजस्थान के झुंझुनू जिला में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के अधिकांश परिवारों में शौचालयों का नहीं होना एक अभिशाप था। इससे सबसे ज्यादा बेटियों और महिलाओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी लेकिन अब स्वच्छ भारत मिशन से उनका सम्मान और गौरव बढ़ा है। यूनिसेफ के सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि उन्हें सम्मान मिला है और वे सुरक्षित महसूस करती हैं। हाल ही में एक शोध में पाया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने के बाद नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि भारत में सन 2014 के बाद से हर साल 60,000 से 70,000 नवजात शिशुओं की जान बच रही है।

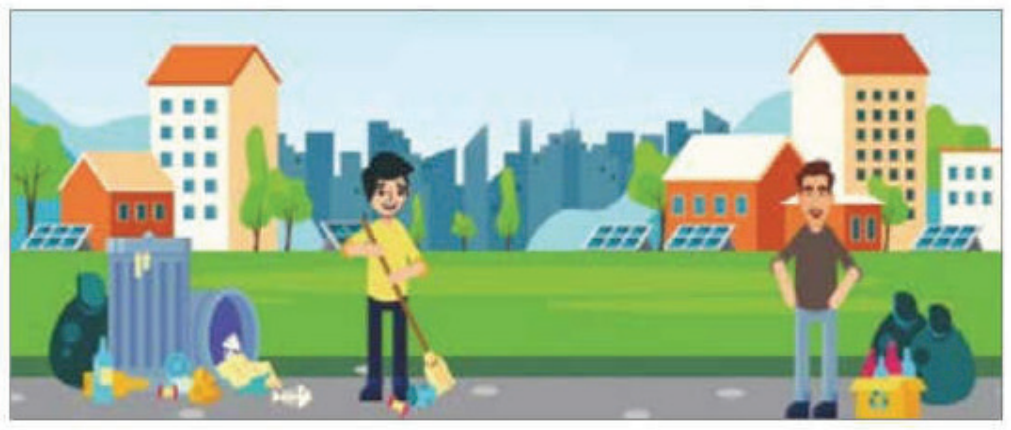

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। इस दौरान चरणबद्ध तरीके से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गए स्वच्छता अभियान के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इस अभियान से बच्चे, युवा, जवान और बुजुर्ग सभी जुड़े और यह देखते ही देखते जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया। गांव-गांव और शहर- शहर में स्वच्छता को लेकर होड़ सी लग गई और इसके परिणाम स्वरूप गांव, जिला और प्रदेश सहित समूचे भारत में स्वच्छता की बयार बहने लगी। पूरे भारत में आम जनता की सक्रिय भागीदारी से खुले में शौच से मुक्त यानी ओडीएफ घोषित कर दिया गया। करीब 10 साल पहले स्वच्छता को लेकर हमारी मानसिकता पर जो गर्द जमी हुई थी, वह अब पूरी तरह साफ हो गई है। हमारी नजरें अब स्वच्छता के बीच केवल गंदगी पर ही जाकर टिकती है। जब चारों ओर स्वच्छता का वातावरण बन रहा है तब कहीं जरा सी भी गंदगी रहती है, वहीं हमारी नजरें ठहर जाती हैं। यह स्वच्छता को लेकर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं। चूंकि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है और निरंतर स्वच्छता को लेकर सजग रहकर इसके विभिन्न मापदंडों के स्तर को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अब स्वच्छता धीरे झ धीरे आम नागरिकों की आदत में शामिल होने लगा है । इसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता के मापदण्डों पर भारत की छवि एक स्वच्छ राष्ट्र के रूप में बन रही है।

भारत में सन 2014 से पहले निर्मल भारत अभियान चलाया जा रहा था जिसमें केवल शौचालय बनाना ही एकमात्र लक्ष्य था लेकिन राशि इतनी कम (मात्र 4600 रुपए) थी कि इससे किसी तरह शौचालय ही बना पाते थे। यह कार्यक्रम औपचारिकता मात्र बन कर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की, शौचालय बनवाने के लिये राशि को बढ़ाकर 12,000 रुपए कर दिया जो शौचालय बनवाने के लिये पर्याप्त कही जा सकती है। शौचालयों के निर्माण के साथ पेयजल, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त शहर - गांव आदि को भी इस अभियान में शामिल कर व्यापकता प्रदान की गई । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले मकानों में शौचालय बनाना अनिवार्य कर दिया जिससे स्वच्छता अभियान को नया आयाम मिला और गरीबों विशेषकर महिलाओं को सम्मान । इसका परिणाम यह हुआ कि सन 2014 में जहां देश में शौचालयों का प्रतिशत करीब 40 था, जो अब बढ़कर करीब 97 प्रतिशत हो गया है। देश में 11.6 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करके यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत खुले में शौच से मुक्त हो जाए। आज की तारीख में भारत के 50% गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। भारत करीब झ करीब खुले में शौच से मुक्त यानी ओ.डी.एफ. के आसपास पहुंच चुका।

स्वच्छ भारत मिशन में पेयजल उपलब्ध कराना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश के करीब 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.76 करोड़ यानी 71.51 प्रतिशत परिवारों के घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है।

शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ घर से निकलने वाले सूखे, गीले, जैव अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक अपशिष्ट के व्यवस्था शुरू करने से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। घर से निकलने वाले सभी तरह के कचरे को घर से ले जाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में माकूल व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में गीले कचरे से जैविक खाद और बायोगैस बनाई जा रही है। उज्जैन के महाकाल सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों में फूल, पत्तियां से अब जैविक खाद बनाने के अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इससे धार्मिक स्थलों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो रहा है, कुछ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और धार्मिक ट्रस्टों को आमदनी भी होने लगी है। देश में रिसायकल नहीं हो सकने वाली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वच्छता के लिये तीन आर यानि रिड्यूस, रियूज और रिसायकल अर्थात आवश्यकता कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रीकरण पर बल दिया गया है। इस प्रयास से आम नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। एक बार ही उपयोग (सिंगल यूज) में आने वाले प्लास्टिक / पोलिथीन से बने गिलास, प्लेट्स आदि का विवाह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाए गये हैं। अनेक नगरीय निकाओं और ग्राम पंचायतों ने बर्तन बैंक बनाकर पोलिथीन मुक्त शहर / ग्राम बनाने की दिशा में अनुकरणीय पहल की है।

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है। पिछले दस वर्षों में स्वच्छता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो गया है। अब भारत की छवि स्वच्छ भारत के साथ स्वस्थ भारत के रूप में भी बन रही है। स्वच्छता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन यह असम्भव भी नहीं है।

(लेखक - भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी)

संपादकीय

चीन को घुड़की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, क्वाड़ (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है। बल्कि नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था व संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। यह.अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान के साथ भारत को मिलाकर बनाया गया संगठन है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, स्वतंत्र, खुला, समावेशी व समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है। किसी देश का नाम लिये बगैर उन्होंने जोड़ा, हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंड़ता व सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से हम समाधान करने के समर्थन में हैं।

प्रधानमंत्री का इशारा परोक्ष रूप से चीन की तरफ था। चूंकि क्वाड़ सदस्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में खुले व्यापार के समर्थक हैं। जिसका सकारात्मक व स्थाई प्रभाव दिख रहा है। लंबे समय से चीन 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति' के तहत चीन-हिंद महासागर क्षेत्र में बंदरगाहों व सैन्य ठिकानों को विकसित कर रहा है। इसके चार प्रमुख समुद्री लोकतांत्रिक देशों के तौर पर यह संगठन शांति व स्थिरता बनाए रखने का कार्य कर रहा है। जो वैश्विक सुरक्षा व समृद्धि के लिए अनिवार्य माना जा रहा है। स्पष्ट रूप से चीन लगातार हमारे करीबी पड़ोसियों म्यामांर, बांग्लादेश, थाईलैंड़, नेपाल, मालदीव जैसे मुल्कों में वर्चस्व बढ़ा कर भारत को घेरने के प्रयास कर रहा है। हालांकि चीन के साथ सीमा विवाद में देश को अमेरिका व जापान का समर्थन प्राप्त है। साथ ही जापान लगातार भारत को बुनियादी ढ़ांचे के विकास के लिए वित्तीय मदद भी कर रहा है। जो चीन का मुकाबला करने में खास मददगार साबित हो रहा है। स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्वाड़ के काम का लाभ देश को परोक्ष व प्रत्यक्ष तौर पर निरंतर प्राप्त हो रहा है। मोदी द्वारा बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर प्रमुखता से जिक्र करना तथा विचारों का आदान-प्रदान असरकारी हो सकता है। बहुपक्षीय व द्विपक्षीय स्तरों पर वैश्विक तरक्की, शांति व सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता व विचारों का सीधा असर दुनिया के समक्ष शीघ्र ही स्पष्ट होता जाएगा। जो अस्थिरताकारी व एकतरफा कार्रवाई का विरोध कर सकेगा व यथास्थिति को बदलने की सकारात्मक प्रयास होते नजर आ सकेंगे।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

सनत जैन

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरूआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरूआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता के साथ इस मामले में निर्णय करना होगा। विदेशी निवेश और टेक कंपनियों के ऊपर भरोसा करने के पहले एआई तकनीकी के प्रभाव और दुष्प्रभाव पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। टेक कंपनियां अपना एकाधिकार ना बना पाएं, इसके लिए भी सरकार को समय रहते हुए पहले नियम और कानून तैयार करने होंगे। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हाल ही में लेबनान और अन्य देशों में जिस तरह से पेजर, मोबाइल फोन और कंप्यूटर में विस्फोट किए गए हैं। यह भी तकनीकी का कमाल है। पेजर जो ऑनलाइन जुड़े हुए भी नहीं थे। उसके बाद भी बड़े पैमाने पर सुनयोजित रूप से विस्फोट कराकर युद्ध के रूप में तकनीकी का सहारा लिया गया है। इस तरह की स्थितियों से बचने के लिए भी भारत सरकार को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

जलवायु बदलावः आघात से आहत होती सड़के

इस समय एक ध्यान देने की बात यह है कि उत्तराखंड, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में अधिकांश राजमार्ग जो बाधित हैं या धंस रहे हैं अथवा जिन पर खण्ड-खण्ड हो भूखण्ड गिर जाते हैं उनमें व सड़कें भी हैं जिन्हें बारहमासी चालू रखना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि वे सीमांतों को छूती हैं। इनका 'ऑल वेदर रोड' यानी बारहमासी सडक्क होना अपेक्षित है। निस्संदेह बनाई भी वे इसी लक्ष्य से बनाई गई होंगी। मौसमी आपदाओं को झेलने में समर्थ सड़कें आपदाओं में राहत, पुनर्वास व पुनर्निमाण कार्यों को भी आसान कर देती हैं। वैसे हर कोई चाहता है कि उसके आवागमन की राह चाहे वे पगडंडियां ही हों बारहमासी हों। समय असमय की चुनौतियों पर खरी उतरती रहीं पगडंडियां इसकी साक्षी हैं। आज की आल वेदर रोड या हर मौसम में खरी उतरने वाली सड़कों की चाहत भी उसी क्रम में है।

संयुक्त राष्ट्र संघ सतत विकास 2030 के लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सड़क परिवहन व उससे जुड़े इनफ्रास्ट्रक्चर्स को महत्त्वपूर्ण मानते हुए सड़क परिवहन तथा पुल सड़कों जैसे इनफ्रास्ट्रक्चरों को जलवायु बदलाव के कुप्रभावों से बचाने और उनके अनुकूलन पर काम करने का आह्वान भी किया गया है, जिससे जलवायु बदलाव के आघात से सड़कें कम आहत हों। धरा का बढ़ता तापमान सड़कों पर भी असर डाल रहा है। गरम होती धरा में पिघलते ग्लेशियरों के साथ पिघलती सड़कों पर भी सचेत किया जा रहा है। यह सामयिक भी है। विश्व में अधिकांश पक्की सड़कें जो कोलतार से ही बनतीं रहीं हैं तेज गर्मी में पिघलने लगती हैं। उधर ध्रुवीय प्रदेशों व सदैव बर्फ से ढके रहने वाले क्षेत्रों में जहां वाहन परिचालन बर्फ की सड़कों पर होता है बढ़ते तापक्रम में बर्फ की सड़कें गलने लगती हैं। बारहमासी सड़कों की राह में कई चुनौतियां भी हैं। अति की गर्मी, अति की ठंड़, अति की बरसात के साथ जहां बरसात नहीं होती थी वहां बरसात होने लगी है। अतः सड़कों को बारहमासी बनाने के डिजाइन और सामग्री चयन में भी अनिचितता आ गई है। जलवायु बदलाव के हंगामे के बीच पहले की बनी सड़कों के आसपास का भी मौसम वैसा नहीं रह गया है जैसा उनके बनने के समय था। अतः पहले से बनीं सड़कों को भी ऑल वेदर रोड बनाने के लिए उसी तरह काम किए जाने की जरूरत है। जैसे हम उन भवनों को जो भूकम्प अवरोधी नहीं हैं; रिट्रोफिटिंग कर भूकम्प सहने लायक बनाते हैं। बारहमासी सड़कों के पुलों को भी बारहमासी होना है। बाढ़, नींव कटाव, पुलों के नजदीक अवैद्य खनन के अलावा जलवायु बदलाव के दौर में पुल के संदर्भ में एक अन्य तरह की चुनौती भी आ रही है। चूंकि नदियां अपनी राह बदल रहीं हैं इसलिए कई बार पुल निष्प्रयोजन भी हो रहे हैं। सच्चाई यह भी है कि हर मौसम पर खरी रहने वाली सडक्क भी हर मौसम में यातायात की गारंटी नहीं हो सकती है। सड़कें भले ही मौसमी मार झेल ले उनका कुछ न बिगड़े परंतु विपरीत मौसम की मार वाहन या यात्री झेलने में असमर्थ रहते हैं। उन्हें आगे न बढ़ने की चेतावनियां भी देनी पड़ती है। उदाहरण के लिए आयरलैंड में वाहन चालकों को तेज हवाओं की चेतावनी देते हुए सीमित गति रखने को कहा जाता है। समुद्रों के पास जो सड़कें हैं उनमें तूफानी हवाओं और लहरों में यातायात न जारी रखने की चेतावनियां दी जाती हैं। इसी प्रकार सुरंगों के मुहानों पर बर्फ जम जाती है तो सुरंगों का तो कोई नुकसान नहीं होता है किंतु यातायात बाधित हो जाता है। वैज्ञानिक राय है कि बारहमासी सड़कों के बगल से या भीतर से जो गैस पाइपें, सीवर लाइनें, बिजली की तारें पानी की पाइपें आदि गुजरती है या गुजरेंगी जलवायु बदलाव के बीच गिरते बढ़ते तापक्रम में वे कैसी प्रतिक्रियाएं पैदा करती हैं उनका भी असर निर्माण सामग्री चयन के दौरान संज्ञान में रखा जाना चाहिए। सतत विकास व जलवायु बदलाव के प्रत्युत्तर में सड़क इक्कीसवीं सदी में बनाई जा रहीं हो तो इन बातों पर भी ध्यान दिया जाना आपेक्षित है कि उनसे जलवायु बदलाव से जुड़ी समस्याएं और न बढ़ें, जैव विविधता पर संकट न आए और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े।

प्राकृतिक संसाधनों का कम-से-कम उपयोग हो पर्यावरण हानि कम से कम हो। शोर कम हो। ईंधन की खपत कम हो आदि। विडंबना है कि जलवायु बदलाव अनुकूलन के प्रत्युत्त स्वरूप जो बारहमासी सड़के बनाई जा रहीं हैं आपेक्षित रूप से ग्रीन रोड होने के बजाय उनके निर्माण में कतिपय संवेदनशील क्षेत्रों में भी हजारों पेड़ काट दिए जाते हैं। भूमिगत जलस्रोत प्रणालियां ध्वस्त की जाती हैं। हजारों टन मलबा नदियों में डाल दिया जाता है। जैवविविधता के प्रति भी संवेदनशीलता नहीं बरती जाती है व निर्माण के दौरान कम-से-कम कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। वास्तव में आल वेदर रोड से ज्यादा जरूरी आल टाइम उपयोग की सड़कों पर काम करने की जरूरत है। सड़कों पर पर्याप्त रोशनी के लक्ष्यों पर तो अभी बात ही नहीं हो रही है। राजनैतिक कारणों से कमजोर भूगर्भीय संरचनाओं पर सड़कों के बनाने के दबाव से भी उबरने की जरूरत है।

भगवान के नाम पर रखे बच्चों के नाम,अंतिम समय में नाम पुकारा तो भी हो जाएगा उद्धार –राजन महाराज

जगत की कोड़ी भी साथ नहीं जाएगी,भगवान नाम परमधन जो हमेशा साथ जाएगा

चित्रकूटधाम में श्रीराम कथा महोत्सव के चौथे दिन भी छाया भक्ति का उल्लास

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, आजकल के नाम सुनकर मन में दया के भाव आते है। जिनके कोई अर्थ नहीं वह नाम बच्चों के रख देते है। बच्चों के नाम भगवान के नाम पर रखिए। जीवन के अंतिम समय में बच्चे को नाम से पुकारा तो भी जुबान पर भगवान का नाम आएगा ओर जीवन का उद्धार हो जाएगा व भगवत की प्राप्ति हो जाएगी। रामकथा ही देख ले राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुधन चारों भाईयों में से हर एक का नाम गहरा अर्थ रखता है। ये विचार ख्यातनाम कथावाचक पूज्य राजन महाराज ने श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं श्री रामकथा सेवा समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में नगर निगम के चित्रकूटधाम में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा महोत्सव के चौथे दिन कथावाचन के दौरान व्यक्त किए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा में चौथे दिन श्रीराम के प्राकट्य के बाद बाललीला प्रसंगों का वाचन किया गया। धर्मनगरी भीलवाड़ा के भक्तगण उमड़ पड़े एवं जिसे जहां जगह मिली वहीं बैठ भक्तिभाव से कथाश्रवण करता दिखा। व्यास पीठ पर विराजित राजन महाराज ने कहा कि भगवत अनुभूति प्राप्त करने के बाद उसे बयां नहीं कर सकते। भगवान को जानने के बाद जगत में रहने पर भी वह दिखाई नहीं पड़ेगा सब जगह परमात्मा ही नजर आएंगे। जगत की संपति कितनी भी जमा कर ले कोड़ी भी साथ नहीं जाएगी। सत्संग से भगवान का नाम रूपी जो परमधन प्राप्त होगा वहीं हमारे साथ अगले भव में भी जाएगा। जगत के धन के साथ परमधन को भी जमा कीजिए। भगवान अपने दास से बहुत प्रेम करते है जो उनसे कभी कुछ नहीं मांगता। उन्होंने नववर्ष एक जनवरी की बजाय चैत्र प्रतिपदा को मनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि एक जनवरी को कुछ भी नया नहीं होता जबकि सनातन संस्कृति के नववर्ष चैत्र प्रतिप्रदा पर प्रकृति नवरूप में होती है। राजन महाराज ने कहा कि बोलने की बजाय मौन रहना व्यवहार में कठिन होता है। मौन रहने का ढंग आ जाए तो शत्रु अपने आप समाप्त हो जाएंगे। घर-परिवार में शत्रु नहीं बनाने तो मौन रहना सीख जाए। भगवान राम का जीवन ही देख ले उन्होंने कभी किसी की शिकायत नहीं की मौन में चले गए। वर्तमान में मनुष्य अपने दुःख से कम दूसरों के सुख से अधिक दुःखी है। हम खुद को श्रेष्ठ बनाने की बजाय दूसरों के अहित की कामना करते है। कथा के दौरान मंच पर संत रामदास रामायणी, लालदासजी महाराज, महंत मनोहरदास महात्यागी सहित कई पूज्य संत-महात्मा आदि भी विराजित थे। राजन महाराज के व्यास पीठ पर विराजने के बाद आरती करने वालों में मुख्य जजमान श्री गोपाल राठी, बाबाधाम के विनीत अग्रवाल, बद्रीलाल जाट, एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा, विमलादेवी जाट, दर्शिका जाट, रविशंकरजी, सीए जीके लवाणिया, दीप्ति लवाणिया, केएल गिल्होत्रा, माहेश्वरी महिला मण्डल की सीमा कोगटा, प्रीति लोहिया, भारती बाहेती, सुमन सोनी, मोना डाड, रेखा शर्मा, किशन मारू, शैलेन्द्रसिंह, लीला तेली, शांतादेवी टांक आदि शामिल थे। शाम की आरती करने वालों में रमेश खोईवाल, हंसराज मधुबाला यादव, अतुल योगिता सुराणा, रमेश संतोष जागेटिया, ओमप्रकाश मधु काबरा, दिनेश शीला विजयवर्गीय, शांतिलाल पोरवाल, दामोदर अग्रवाल, भैरूलाल काबरा, बनवारीलाल मुरारका, चन्द्रप्रकाश चंदवानी, दिलीप रावानी, हरीश मानवानी, कमलेश खेराजानी, प्रकाश कोरानी, जितेन्द्र मोटवानी, जितेन्द्र रंगलानी, भगवान रामचंदानी, आनंदकृष्ण शास्त्री, सुमन डाड, सुशीला जाजू, राधेश्याम विजयवर्गीय, विश्वनाथ प्रतापसिंह, निशांत जैन, सुधीर राठी आदि भक्तगण शामिल थे। विश्राम स्थल से कथास्थल तक रामचरित मानस की पोथी लाने-ले जाने वाले यजमान में मुख्य यजमान श्री गोपाल राठी, एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा, एडवोकेट पवन पंवार, रविशंकरजी, डॉ. उमाशंकर पारीक, बद्रीलाल जाट शामिल थे। अतिथियों का स्वागत श्रीरामकथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज, संरक्षक केसी प्रहलादका, महासचिव कन्हैयालाल स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष सीए दिलीप गोयल,मंजू पोखरना, संजय बाहेती, महावीर अग्रवाल, सत्यनारायण काबरा, बद्रीलाल सोमानी, नवनीत बजाज आदि ने किया। मंच का कुशल संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया। श्रीराम कथा का वाचन चित्रकूटधाम प्रांगण में 29 सितम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगा।

आनंद छाया अयोध्यानगरी में,अवध में प्रकटे भये श्रीराम

श्रीराम कथा के दौरान राजन महाराज के मुखारबिंद से निरन्तर राम भक्ति से ओतप्रोत भजनों की गंगा प्रवाहित होती रही। राम प्रकटोत्सव व बाल लीला प्रसंग के दौरान बधाई गीतों व भजनों पर श्रद्धालु नृत्य कर अपनी खुशी व भावना का इजहार करते रहे ओर पांडाल में जय श्रीराम का जयघोष होता रहा। उन्होंने घर-घर आनंद छायो अयोध्यानगरी में, अवध में प्रकटे भये श्रीराम, आया सांवला सरकार हंसते-हंसते आदि भजनों की प्रस्तुति ने भी माहौल भक्ति से परिपूर्ण कर दिया। हर उम्र वर्ग के श्रद्धालु रामकथा श्रवण का सुअवसर पाकर उत्साहित दिखा। राजन महाराज ने कहा कि अयोध्या में इस वर्ष 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो पूरे विश्व ने आनंद उत्सव मनाया। जब परमात्मा ने साक्षात अवतार लिया उस समय कैसा उत्सव मना होगा इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। अवधवासियों ने ऐसा उत्सव मनाया मानो हर घर में अवतार प्रकट हुआ हो। राजा दशरथ के घर चार संतान जन्म लेने से अवध का आनंद भी चार गुणा बढ़ गया।

भीलवाड़ा के हर क्षेत्र से कथा श्रवण करने उमड़ रहे श्रद्धालु

श्रीराम कथा महोत्सव में चौथे दिन भी हजारों शहरवासी तीव्र उमस की परवाह किए बिना कथा श्रवण के लिए उमड़े। शहर के सभी क्षेत्रों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी हजारों लोग कथा सुनने के लिए चित्रकूटधाम पहुंचे थे। भक्तों में कथा श्रवण के लिए इतना उत्साह था कि कई भक्तगण तो तय समय से पहले ही पूरे परिवार के साथ चित्रकूटधाम पहुंच गए ताकि कथावाचक राजन महाराज के नजदीक से दर्शन हो जाए और कथा श्रवण में कोई परेशानी नहीं आए। कई भक्तगण पूरे परिवार के साथ कथास्थल पर पहुंचे थे।

सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

नमस्ते राजस्थान

भीलवाडा, सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. सावन कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया एवं ह्लस्वच्छता ही सेवाह्ल कार्यक्रम के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रिकरण एवं निस्तारण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक डॉ कमोद सिंह मीणा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इसके पश्चात स्वयं सेविकाओं द्वारा एनएसएस लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। डॉ कमोद सिंह मीणा ने स्वयं सेविकाओं को एनएसएस के महत्व को उजागर करते हुए बताया कि एनएसएस का उद्देश्य देश के युवाओं को समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण हेतु प्रेरित करना है। उन्होंने एनएसएस के ध्येय वाक्य, लोगों एवं आयोजित होने वाले विभिन्न कैंप, माय भारत पोर्टल के बारे में स्वयं सेविकाओं को अवगत करवाया। प्राचार्य ने स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा के कार्य के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्राओं को माय भारत संस्था के द्वारा प्राप्त माय भारत एनएसएस किट का वितरण किया गया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. अनिल कुमार सुराणा ने स्वयं सेविकाओं को कहा कि राष्ट्र सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है, सभी विद्यार्थियों को कुछ समय राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित करना चाहिए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कुमार मीणा ने एनएसएस में वर्ष पर्यंत होने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एनएसएस की पूर्व छात्रा स्नेहा कंवर चुंडावत ने एनएसएस में अपने अनुभवों को छात्राओं के साथ साझा किया। इसके पश्चात कार्यक्रम अधिकारियों के निर्देशन में गांधी सागर पार्क एवं उसके आसपास के क्षेत्र से स्वयं सेविकाओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रिकरण किया एवं महाविद्यालय में गहरा गड्ढा खोदकर उसका उचित निस्तारण किया। इस अवसर पर संकाय सदस्य सीमा गौड़, सूर्य प्रकाश पारीक, वर्षा सिखवाल, कमलेश कुमार खटीक आदि उपस्थित रहे।

भजनलालजी शर्मा साहब मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी सुमेरपुर को दिया

किसानो को फसली बीमा की राशि दिलाने की मांग

नमस्ते राजस्थान

सुमेरपुर :ग्राम कोसेलाव के करीबन 700 किसानो को फसली बीमा की राशि दिलाने, उचित गिरदावरी सही करवाने एवं खुले मे घुम रहे मवेशियो को गौशालाओ में डलवाने बाबत। यह है कि ग्राम कोसेलाव, तहसील सुमेरपुर के करीबन 700 किसानो को पिछले तीन वर्ष से फसली बीमा की राशि राज्य सरकार से नही मिल पा रही है तथा वर्तमान मे फसल नुकसान की गिरदावरी प्रत्येक किसान के खेत की सही तरीके से नहीं की जा रही है एवं ग्राम कोसेलाव में वर्तमान में करीबन 500 पशु मवेशी बाजारो, मुख्य बस स्टेण्ड व गलियो मे खुले मे घुम रहे है जिससे पिछले कई महिनो में अनेक हादसे होने से लोग घायल भी हुये है व चोटे भी आई है यह है कि ग्राम कोसेलाव, तहसील सुमेरपुर के करीबन 700 किसानो को पिछले तीन वर्ष से फसली बीमा की राशि राज्य सरकार से नही मिल पा रही है, जिसे दिलाये जाने एवं वर्तमान में फसल नुकसान की गिरदावरी प्रत्येक किसान के खेत की सही तरीके से नहीं की जा रही है, जिसे राही तरीके से करवाये जाने हेतु सक्षम अधिकारी को पाबन्द करावे एवं ग्राम कोसेलाव में वर्तमान में करीबन 500 पशु मवेशी बाजारो, मुख्य बस स्टेण्ड व गलियो मे खुले मे घुम रहे है जिससे पिछले कई महिनो में अनेक हादसे होने से लोग घायल भी हुये है व चोटे भी आई है, जिनसे लोगो को छुटकारा दिलवाने हेतु खुले मे घुम रहे पशु मवेशिओ को संबंधित गौशालाओ में डलवाने हेतु उक्त प्रार्थना-पत्र आप श्रीमान्जी के समक्ष पेश है। उक्त प्रार्थना-पत्र पेशकर आप श्रीमान्जी से निवेदन है कि उक्त प्रार्थना-पत्र पर गौर फरमाकर शीघ्र निस्तारण करवाने के आदेश फरमावे व्यापार मंडल अध्यक्ष बलवंत परिहार सचिव भरत सिंह उप सरपंच महावीर जोघा कोसेलावचोकी प्रभारी श्री जसारामजी एएसआई पटवारी रमेश जी चौधरी भरत गेहलोत ताराराम चौधरी अर्जुन भाई माली रतनलाल गेहलोत किरण भाई माली हनुमान भाई व्यास। ईदाराम मेगवाल राजु भाई मेवाड़ा हिम्मत भाई मीणामोहन भाई माली रतन भाई माली मोतीलाल घांची भावैश सैन दिनेश प्रजापत दिनेश मीणा मालाराम देवासी अशोक सैन मंशाराम प्रजापत नरेश भाई कान्ति लाल चौधरी खीमाराम मेगवाल समस्या ग्राम वासियों कोसेलाव

यूक्रेन विवाद के बीच न्यूयॉर्क में हुई प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात

यूएस में प्रधानमंत्री ने दोहराया, बातचीत-कूटनीति के जरिए शांति स्थापना का भारत का स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पिछले सोमवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में आयोजित 'भविष्य के सम्मेलन' से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय हुई। इसमें यूक्रेन के मौजूदा हालात और शांति स्थापना से जुड़े जरूरी उपायों का मुद्दा प्रमुखता से शामिल रहा। पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के समक्ष बातचीत, कूटनीति के जरिए विवाद समाप्ति के भारत के स्पष्ट और रचनात्मक रुख को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से बैठक में कहा कि भारत शांति स्थापना के लिए जारी सभी प्रयासों में हर संभव मदद देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी एक दूसरे के संपर्क में बने रहने को लेकर सहमति जताई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कीव की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत के दृढ़ समर्थन के प्रति जताया आभार

पीएम ने स्वीकारा जेलेंस्की का अनुरोध

मंत्रालय के मुताबिक, दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले अगस्त महीने में की गई यूक्रेन की यात्रा को याद करते हुए भारत और यूक्रेन के लगातार मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों को लेकर भी संतुष्टि जाहिर की। दोनों के बीच हालांकि यह मुलाकात पहले से तय नहीं थी। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री को अनुरोध किया था। जिसे पीएम मोदी ने स्वीकार किया। भारत के प्रधानमंत्री बीते करीब तीन महीने के अंदर रूस और यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्षों से उनके देश में जाकर बैठकें कर चुके हैं।

शांति स्थापना को लेकर मिलेगी खुशखबरी

जानकारों का कहना है कि ऐसे वक्त में जब सारी दुनिया भारत को इस विवाद में शांति स्थापित करने में एक भरोसेमंद मध्यस्थ के रूप में देख रही है। तब पीएम मोदी की राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ लगातार हो रही मुलाकातें इस बात की ओर इशारा करती हैं कि जल्द ही रूस-यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत की मदद से शांति स्थापना को लेकर कोई बड़ी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

हम सक्रिय रूप से अपने संबंधों को विकसित कर रहे

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर पोस्ट में यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के स्पष्ट समर्थन के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इस वर्ष यह हमारी तीसरी द्विपक्षीय बैठक है। हम सक्रिय रूप से अपने संबंधों को विकसित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी बैठक के केंद्र में अंतरराष्ट्रीय मंचों (यूएन, जी-20) में बातचीत को आगे बढ़ाने के अलावा शांति सूत्र को लागू करने, दूसरे शांति सम्मेलन की तैयारी जैसे मुद्दे रहे।

खबर संक्षेप

नेपाल ने छात्रों की रिहाई की अपील की

न्यूयॉर्क। हमास द्वारा इजराइल पर आक्रमण के दौरान बंधक बनाए गए नेपाली छात्रों की रिहाई का मामला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उठाया गया है। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. आरज़ू राणा ने नेपाली छात्रों की जल्द से जल्द रिहाई में मदद मुहैया कराने के लिए विश्व समुदाय से अपील की। डॉ. राणा ने कहा कि असंलग्न राष्ट्र समूह से मेरा आग्रह है कि वो संयुक्त राष्ट्र के महासभा के मंच पर नेपाल की इस समस्या को स्थान दें और नेपाली छात्रों की रिहाई में हमारी मदद करें।

सीतारमन उज्बेकिस्तान से करेंगी निवेश संधि

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन मंगलवार से मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान का दौरा हैं। वित्त मंत्री 28 सितंबर तक विदेश दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के गवर्नर मंडल की नौवीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी। साथ ही इस आधिकारिक यात्रा में दोनों देशों के बीच एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। बयान के मुताबिक, वित्त मंत्री सीतारमन की ओर से विदेश यात्रा के दौरान उज्बेकिस्तान, कतर, चीन और एआईआईबी के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की जाएगी।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ईश्वरन दोषी करार

सिंगापुर। लोक सेवक के रूप में कीमती वस्तुएं प्राप्त करने और न्याय में बाधा डालने के आरोपों में मंगलवार को दोषी ठहराए गए सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस ईश्वरन को तीन अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में मंगलवार को सुनवाई के बाद 62 वर्षीय पूर्व परिवहन मंत्री की जमानत की अवधि बढ़ा दी गई। अभियोजन पक्ष ने 62 वर्षीय पूर्व मंत्री को छह से सात महीने की जेल की सजा दिए जाने का अनुरोध किया था।

कई देशों के साथ हुई द्विपक्षीय बैठकें

भारत और बांग्लादेश के विदेश मंत्रियों की हुई पहली बैठक

नई दिल्ली

बांग्लादेश में बने हुए मौजूदा चिंताजनक हालातों के बीच पिछले सोमवार को न्यूयॉर्क में भारत और बांग्लादेश के विदेश मंत्रियों के बीच पहली आधिकारिक द्विपक्षीय बैठक हुई। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के सम्मेलन' से इतर दोनों के बीच यह बैठक हुई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में इस मुलाकात के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के साथ बैठक हुई। यह बातचीत हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित थी। दोनों विदेश मंत्रियों की यह बैठक हालांकि पहले से तय नहीं थी। पूर्व में अमेरिका में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की नई सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बीच बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही थी। लेकिन ऐसी कोई बैठक नहीं हुई।

अल्पसंख्यकों पर हिंसा नकारी

यहां बता दें कि अमेरिका में बांग्लादेश के विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन ने शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुई हिंसा के आरोपों को नकारते हुए इसके लिए भारतीय मीडिया को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, भारतीय मीडिया को इस तरह से खबरों को बढ़ा चढ़ाकर पेश करने से बाहर आना चाहिए।

जी-4 के समकक्षों से मिले जयशंकर

बांग्लादेश के अलावा विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में जी-4 समूह (जर्मनी, जापान और ब्राजील) और वेनेजुएला के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। 'एक्स' पर पोस्ट में उन्होंने बताया कि वेनेजुएला के विदेश मंत्री युआन गिल से संयुक्त राष्ट्र की बैठक से इतर हुई मुलाकात से प्रसन्नता हुई। इसमें ऊर्जा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षवाद में सुधार पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा जी-4 के विदेश मंत्रियों के साथ भी बैठक हुई।

रक्षा मंत्री ने 41वीं भारतीय तटरक्षक कमांडरों की कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

भविष्य में समुद्री खतरों में वृद्धि होगी ऐसे में हमें सतर्क और तैयार रहना ही होगाः राजनाथ सिंह

एजेंसी नई दिल्ली

समुद्री सुरक्षा और बढ़ती चुनौतियों पर होगा गहन विचार मंथन

रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मंगलवार को 41वीं भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) कमांडरों की कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। यह कॉन्फ्रेंस 26 सितंबर तक भारतीय तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

वरिष्ठ तटरक्षक कमांडरों की इस कॉन्फ्रेंस में समुद्री सुरक्षा की बढ़ती जटिलताओं से जुड़ी रणनीतिक,संचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।रक्षा मंत्रालय ने इस कॉन्फ्रेंस को भारतीय तटरक्षक बल के भविष्य की दिशा तय करने में अहम बताया। इस दौरान, रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की। राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा में उभरती नई तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय एक प्रौद्योगिकी क्रांति के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी और ड्रोन के इस युग में सुरक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भविष्य में समुद्री खतरों में वृद्धि होगी ऐसे में हमें सतर्क और तैयार रहना होगा।

तकनीकी बदलाव पर रखें नजर

समुद्री सुरक्षा के समाधान निकालेंगे

कॉन्फ्रेंस के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और अभियंता प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह की मौजूदगी होगी । इन बैठकों का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं का समाधान करना है, साथ ही तटरक्षक बल के विकास और आधुनिकीकरण पर ध्यान देना है। कांफ्रेंस का एजेंडा पिछले साल में तटरक्षक बल द्वारा किए गए संचालन, सामग्री, लॉजिस्टिक्स, मानव संसाधन विकास,

मेक इन इंडिया की होगी समीक्षा

कमांडर 'मेक इन इंडिया' पहल से जुड़े चल रहे प्रोजेक्ट्स की भी समीक्षा करेंगे, जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए हैं। भारतीय तटरक्षक बल, जो भारत की 7,516 किलोमीटर लंबी तटरेखा की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और देश के विशाल समुद्री क्षेत्रों को कवर कर रहा है। हाल के वर्षों में तटरक्षक बल की परिचालन क्षमताएं काफी बढ़ी हैं, जिससे तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, समुद्री डकैती और आतंकवाद जैसे खतरों से निपटने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कॉन्फ्रेंस भारत के समुद्री हितों की रक्षा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दस्तावेज में पहली बार 'पैक्ट ऑफ द फ्यूचर' पैराग्राफ शामिल

यूएनएससी में सुधार को अमेरिका सहित अन्य देशों का समर्थन, भारत बोला- ये एक अच्छी शुरुआत

नई दिल्ली

पिछले तीन दिनों के दौरान विल्मिंगटन और न्यूयॉर्क में हुई बहुराष्ट्रीय बैठकों (क्वाड, यूएनजीए सम्मेलन) में भारत समेत अन्य देशों की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की मांग को लेकर अमेरिका व दुनिया के बाकी देशों ने सहमति जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सम्मेलन के दस्तावेज में पहली बार 'पैक्ट ऑफ द फ्यूचर' को लेकर एक विस्तृत पैराग्राफ शामिल किया गया है। वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूएनजीए को संबोधित करते हुए परिषद में सुधारों का समर्थन किया और कहा कि विकासशील देशों के बेहतर प्रतिनिधित्व के लिए अमेरिका ने हमेशा समर्थन किया है। अमेरिका लंबे समय से भारत, जर्मनी और जापान के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए समर्थन करता रहा है। उधर, आर्मेनिया ने भी भारत की परिषद में स्थायी सदस्यता को समर्थन प्रदान किया है।

निश्चित समय सीमा में शुरुआत के लिए बातचीत

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुधार पर एक दस्तावेज 'पैक्ट ऑफ द फ्यूचर' को स्वीकार किया जाना एक अच्छी शुरुआत है। नई दिल्ली 15 सदस्यीय इस संस्था में एक निश्चित समय सीमा में सुधार के लिए बातचीत की शुरुआत को लेकर आशा व्यक्त करता है। इस समझौते में हर क्षेत्र पर, हर एक विवरण नहीं हो सकता है। जिसकी हम कल्पना करते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि यह एक अच्छी शुरुआत है।

श्रीलंकाः समय से पहले होंगे संसदीय चुनाव

कोलंबो। अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति की शपथ ले ली है। दिसानायके ने कहा है कि वर्तमान संसद दो दिन में भंग कर दी जाएगी। इसी के साथ श्रीलंका में अब नवंबर महीने में संसदीय चुनाव होने के आसार हैं। चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी समन श्री रत्नायके ने मीडिया को बताया कि संसद भंग होने की तारीख से 52 से 66 दिनों के बीच संसदीय चुनाव कराए जा सकते हैं।

भारतीय फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट तलवार केन्या के मोम्बासा बंदरगाह पर पहुंचा

मुंबई। भारतीय फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट तलवार केन्या के मोम्बासा बंदरगाह पर पहुंच गया है। यह पश्चिमी नौसेना कमान के तहत मुंबई में स्थित भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े का हिस्सा है। कैप्टन जीतू जॉर्ज इस जहाज की कमान संभालते हैं, जिसमें लगभग 300 कर्मी हैं।

10वें सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन सत्र में बोले लोक सभा अध्यक्ष

विधानसभा सदन की कार्यवाही का संचालन गरिमा और शिष्टाचार के साथ करें

लोकतांत्रिक संस्थाओं को पारदर्शी व जवाबदेह बनाएं

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का लक्ष्य प्राप्त करें

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विधानमंडलों में हंगामा और कटुता चिंता का विषय है। इस मुद्दे पर समय-समय पर पीठासीन अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है और पीठासीन अधिकारियों से सदन की कार्यवाही का संचालन गरिमा और शिष्टाचार के साथ तथा भारतीय मूल्यों और मानकों के अनुसार करने का आग्रह किया गया है। बिरला ने ये बातें संसद भवन परिसर में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन के दौरान अपने सम्बोधन में कही। ओम बिरला, सीपीए भारत क्षेत्र के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि सदन की परम्पराओं और प्रणालियों का स्वरूप भारतीय हो तथा नीतियां और कानून भारतीयता की भावना को मजबूत करें ताकि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का लक्ष्य प्राप्त हो सके।

राज्य के विकास में विधानमंडलों की भूमिका महत्वपूर्ण

किसी भी देश और राज्य के विकास में विधानमंडलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बिरला ने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता से जुड़ने और उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।

'एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' को साकार करें

ओम बिरला ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विधायी निकाय अपने राज्यों में विधानमंडलों में प्रक्रियाओं और अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर रहे हैं और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जनप्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उपाय विधानमंडलों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता को बेहतर बनाने में बहुत सहायक साबित होंगे।

नई सोच, नए विजन के साथ काम करें

लोकसभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि इस दो दिवसीय सम्मेलन से विधानमंडलों के कामकाज में बदलाव आएंगे । उन्होंने सुझाव दिया कि पीठासीन अधिकारियों को नई सोच, नए विजन के साथ काम करना चाहिए।

हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ कसा शिकंजा

चेन्नई, तंबाराम, कन्याकुमारी जिलों में एनआईए ने 11 ठिकानों पर मारे छापे

एजेंसी चेन्नई

केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने तमिलनाडु बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए ने राज्य में कथित रूप से देश के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहने वाले हिज्ब-उत-तहरीर नाम के संगठन के 11 संदिग्ध सदस्यों के ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें टीम ने कई अहम दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, नकदी और संगठन से संबंधित अन्य साहित्य बरामद किया। एनआईए ने कहा कि यह छापेमारी विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से असंतोष पैदा करने और चुनावी मताधिकार प्रयोग करने के खिलाफ अभियान चलाने से संबंधित एक मामले की जांच के तहत की गयी है। चुनावी मताधिकार को हिज्ब-उत-तहरीर ने गैर-इस्लामिक या 'हराम' माना है। हिज्ब-उत-तहरीर की पहचान खिलाफत स्थापित करने का मंसूबा वाले संगठन के रूप में रही है।

देश के खिलाफ की गई थी कई बैठकें

एनआईए ने हमीद हुसैन नाम के शख्स को मुख्य मास्टरमाइंड बताया है। तफ्तीश में सामने आया है कि मुख्य आरोपी और पांच अन्य लोगों ने ग्रुप के कुछ लोगों के साथ देश के खिलाफ काम करने के लिए मीटिंग भी की थी। मामले की तफ्तीश एनआईए कर रही है। एनआईए ने बताया कि इस मामले में इस साल जुलाई में चेन्नई पुलिस से जांच अपने हाथों में ली थी। हिज्ब-उत-तहरीर नाम के संगठन और इसके सदस्यों पर आरोप है।

‘सिकंदर’ में पहली बार जमेगी सल्लू- शरमन जोशी की जोड़ी

मुंबई। सलमान खान पिछली बार फिल्म ‘टाइगर 3’ में नजर आए थे। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अब सलमान फिल्म ‘सिकंदर’ लेकर आ रहे हैं। दरअसल, खबर है कि इस फिल्म से अभिनेता शरमन जोशी भी जुड़ गए हैं। ‘सिकंदर’ में सलमान के साथ पहली बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। एआर मुरुगादॉस इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, वहीं साजिद नाडियाडवाला फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म को ईद, 2025 के मौके पर रिलीज किया जाएगा। काजल अग्रवाल, प्रतीक बब्बर और सत्यराज भी ‘सिकंदर’ में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। साजिद की पत्नी वर्धा नाडियाडवाला ने बताया था कि इस फिल्म की कहानी दर्शकों की आंखें नम कर देगी।

लाइफ Style

तृप्ति आर्यन संग करेंगी रोमांस

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सफलता के रथ पर सवार है। फिल्म ‘एनिमल’ के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और तृप्ति के पास फिल्मों की लाइन लग गई। उनकी पिछली फिल्म ‘बैड न्यूज’ ने भी बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन किया।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आने वाले दिनों में तृप्ति एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी। अब खबर है कि कार्तिक आर्यन की एक दूसरी फिल्म के लिए भी उनके नाम पर पक्की मोहर लग चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनुराग बासु संभाल रहे हैं। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार हैं और इसके संगीत की जिम्मेदारी प्रीतम को सौंपी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग 24 सितंबर से शुरू होगी, जो फरवरी तक चलेगी, वहीं 2025 में फिल्म पर्दे पर आएगी। यह एक लव स्टोरी पर आधारित होगी। फिल्म के लिए अनुराग ने कार्तिक के साथ तृप्ति की जोड़ी फाइनल कर दी है और अभिनेत्री ‘भूल भुलैया 3’ जैसी कॉमेडी फिल्म के बाद अब रोमांटिक फिल्म में कार्तिक के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग के बाद कार्तिक निर्देशक मुदस्सर अजीज की फिल्म ‘पति पत्नी और वो’ के सीक्वल की शूटिंग शुरू करेंगे। उधर तृप्ति, ‘विक्की विद्या का वो वाला वीडियो’ में राजकुमार राव के साथ तो ‘धड़क 2’ में सिद्धांत चुतुर्वेदी के साथ दिखाई देंगी। विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म में शाहिद कपूर की जोड़ी भी तृप्ति के साथ ही बनी है।

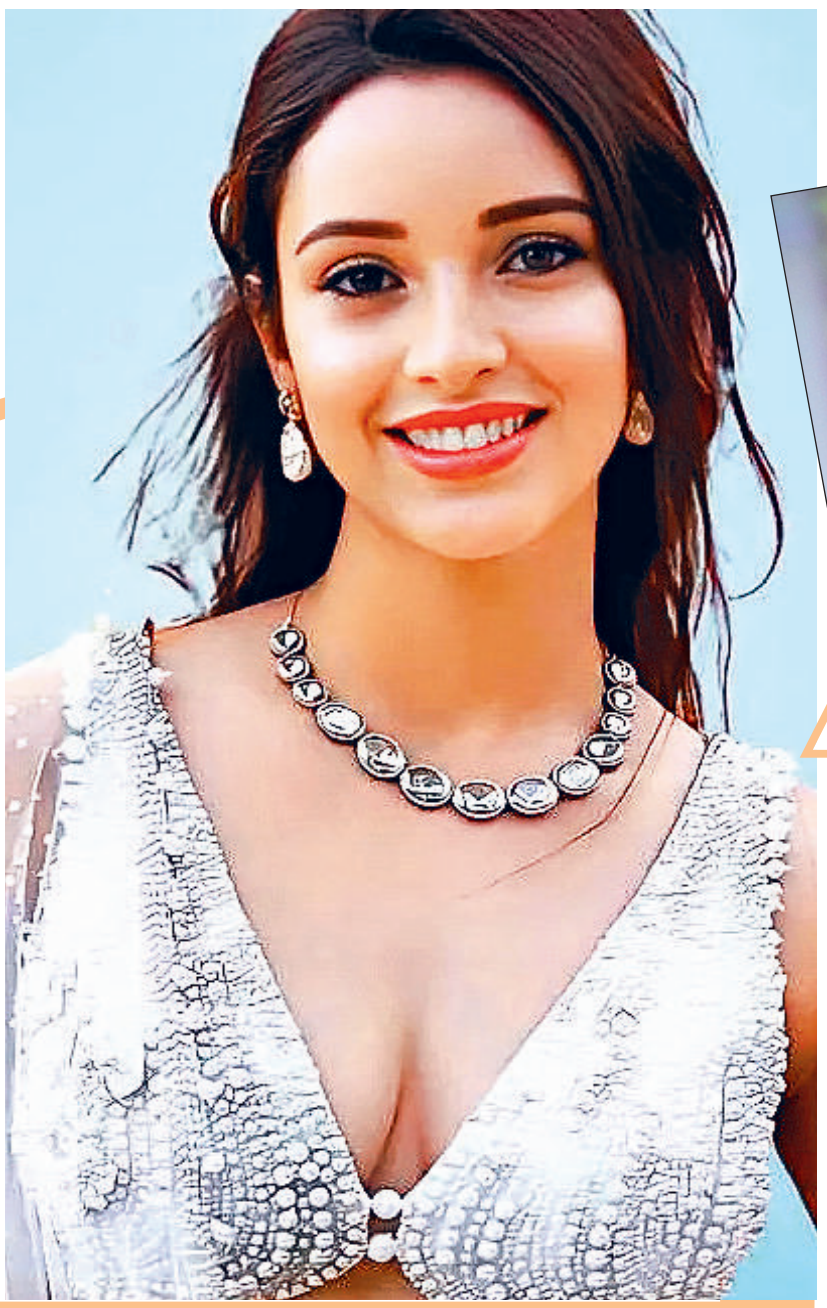

हॉलीवुड मसाला

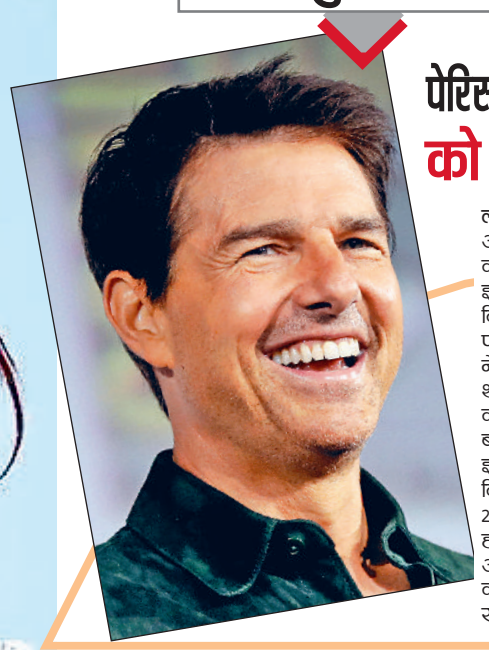

पेरिस ओलंपिक में दर्शकों को चौंका दिया था

लॉस एंजिलस। अभिनेता टॉम क्रूज अपनी फिल्मों में खतरनाक स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। मिशन इम्पॉसिबल सीरीज की हर फिल्म में किए गए उनके स्टंट को लोग काफी पसंद करते हैं। पिछले दिनों टॉम क्रूज ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भी शानदार बाइक स्टंट करके दर्शकों को चौंका दिया था। हाल ही में, इस बात का खुलासा हुआ है कि टॉम को इस स्टंट के लिए कितना भुगतान किया गया था। पेरिस के बाद अब 2028 का ओलंपिक लॉस एंजिल्स में होगा। इसकी आयोजन समिति के अध्यक्ष केसी वासरमैन ने खुलासा करते हुए बताया कि टॉम क्रूज ने इस स्टंट को मुफ्त में किया था।

पॉप स्टार टेलर करेंगी कमला हैरिस का समर्थन

लॉस एंजिलस। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। अब इस कड़ी में पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट का नाम भी जुड़ गया है। स्विफ्ट ने इंस्टाग्राम पर अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस का समर्थन करने का ऐलान कर दिया है। टेलर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘मैं 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और टिम वॉल्ज को अपना वोट दूंगी। मैं कमला हैरिस को वोट दे रही हूं, क्योंकि वह अधिकारों और कारणों के लिए लड़ती हैं। मुझे लगता है कि उन्हें आगे बढ़ाने के लिए एक योद्धा की जरूरत है। मुझे लगता है कि वह एक स्थिर और प्रतिभाशाली नेता हैं।

निभा सकती हैं युवराज की प्रेमिका का किरदार

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह की जिंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। उनकी बायोपिक फिल्म का ऐलान हो गया है। भूषण कुमार फिल्म के निर्माता हैं, वहीं रवि भागचंदका ने इसके निर्देशक की कमान संभाली है। युवराज की बायोपिक फिल्म के शीर्षक का ऐलान होना बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, युवराज के किरदार के लिए रणबीर कपूर को चुना जा सकता है। अब खबर आ रही है युवराज की बायोपिक से अभिनेत्री फातिमा सना शेख जुड़ गई हैं। निर्माताओं ने किया संपर्क एक रिपोर्ट के मुताबिक, युवराज की बायोपिक में फामिता उनकी प्रेमिका की भूमिका निभा सकती हैं। फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अभिनेत्री से संपर्क किया है। पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच बातचीत जारी है।

‘जो तेरा है वो मेरा है’ का ट्रेलर जारी...

मुंबई। परेश रावल पिछली बार फिल्म ‘सरफिरा’ में नजर आए थे, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। पिछले कुछ समय से परेश अपनी आगामी फिल्म ‘जो तेरा है वो मेरा है’ को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है। अब निर्माताओं ने ‘जो तेरा है वो मेरा है’ का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है। ‘जो तेरा है वो मेरा है’ सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 20 सितंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर किया जाएगा। ट्रेलर में परेश की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं।

टीवी मसाला

किडनैपर के चुंगल में फंस गए थे राजेश पुरी

मुंबई। दिग्गज अभिनेता राजेश पुरी हाल ही में एक भयावह घटना से बाल-बाल बचे हैं जब कुछ लोगों के एक समूह ने उनका अपहरण करने की कोशिश की। इस दौरान राजेश पुरी की जान को भी खतरा हो सकता था। ‘शक्ति-अस्तित्व के एहसास की’ में अपने अभिनय के लिए मशहूर अभिनेता राजेश ने हाल ही में हैरान कर देना वाला खुलासा करते हुए कहा कि वह एक बार किडनैपर के चुंगल में फंस गए थे। उन्हें बताया कि किडनैपर ने फेक इवेंट का झांसा देकर 2 करोड़ की फिरौती के लिए उनका किडनैप किया था। राजेश पुरी ने बताया, ‘मैं तब चौंक गया जब उस आदमी ने मुझसे कहा आप वापस चले जाओ। यह कुछ भी ठीक नहीं है, कोई फंक्शन नहीं है और आप किडनैप हो गए हैं। मैंने बोला कि आप मुझे वापस छोड़ दें क्योंकि इस इलाके के बारे में कुछ नहीं पता है। खतरनाक स्थिति के बावजूद, किडनैपर के चुंगल से राजेश पुरी सुरक्षित भागने में सफल रहे। आखिरकार, वे मेरठ से 12 किलोमीटर दूर एक ढाबे पर रुके जहां उनमें से एक ने सच्चाई बताई और उन्हें वहां से चले जाने को भी कहा।

किडनैपर की चाल में फंस गए थे

एक इंटरव्यू में राजेश पुरी ने खुलासा किया कि उन्हें एक कार्यक्रम में शामिल होने के बहाने दिल्ली बुलाया गया और बाद में कार से मेरठ ले जाया गया। अभिनेता ने आगे बताया कि राजेश पुरी को दिल्ली में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शिवम नाम के किसी व्यक्ति से निमंत्रण मिला था। हालांकि, राजधानी शहर में पहुंचने पर जिसे वह एक पुरस्कार समारोह मान रहे थे जहां उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना था वहां उनका पता चला कि ये उन्हें फंसाने के लिए एक चाल थी।

बताया फेक इवेंट का सच

बातचीत में राजेश पुरी ने इस घटना के बारे में शेयर करते हुए बताया कि उन्हें घोटालेबाज से 35,000 रुपये भी मिले थे। इसके अलावा, अभिनेता को दिल्ली से 9 सितंबर के लिए बुक की गई वापसी की टिकट भी मिली। यह सब वैध दिखाने के लिए अभिनेता से इवेंट पोस्टर के लिए अपनी कुछ तस्वीरें देने और भाषण तैयार करने के लिए भी कहा गया था। पूरी घटना में एकमात्र संदिग्ध बात यह थी कि घोटालेबाज ने अभिनेता को कभी कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं भेजा था। दिल्ली में हुई घटना को याद करते हुए राजेश पुरी ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर दो लोगों ने उनका स्वागत किया। अभिनेता ने आगे कहा, ‘वे मुझे टैक्सी में ले गए और करीब एक घंटे बाद वे रुके और मेरा सामान कार में रख दिया। नई कार पर कोई लाइसेंस प्लेट नहीं थी और ड्राइवर ने मास्क पहना हुआ था, जिससे मुझे शक हुआ।

जैकलीन से नरगिस फाखरी तक ‘हाउसफुल 5’ में आएंगी नजर

मुंबई। अक्षय कुमार को आखिरी बार फिल्म ‘खेल खेल में’ देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तो खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 32.66 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। मौजूदा वक्त में अक्षय ‘हाउसफुल’ फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त ‘हाउसफुल 5’ को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। ताजा खबर यह है कि ‘हाउसफुल 5’ में 5 अभिनेत्रियां जलवा बिखेरती नजर आएंगी।

अभिनेत्रियों के नाम आए सामने : एक रिपोर्ट के मुताबिक, नाडियाडवाला इस फिल्म को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसमें अक्षय के साथ रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ और डिनो मोरिया जैसे अभिनेता नजर आएंगे। अब खबर है कि ‘हाउसफुल 5’ में 5 अभिनेत्रियां अदाकारी का तड़का लगाती हुईं दिखाई देंगी। मुख्य अभिनेत्रियों के लिए जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा को चुना गया है।

45 दिनों तक चलेगी फिल्म की शूटिंग : कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग आज 15 सितंबर से लंदन में शुरू होगी, जो 45 दिनों तक चलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के कुछ दृश्यों की शूटिंग पहले लंदन में होगी और फिर बाकी शूटिंग एक क्रूज पर की जाएगी। ‘हाउसफुल’ फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त ‘हाउसफुल 5’ 6 जून, 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके निर्देशन की कमान तरुण मनसुखानी ने संभाली है।

हिंदी दिवस 2024: अंग्रेजी बोलने वाले इन सितारों ने की हिंदी मीडियम से पढ़ाई

मुंबई। देश में सबसे ज्यादा बोलचाल की भाषा हिंदी है। देशभर में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया और इसका आयोजन एक पखवाड़े तक होता है। इसी वजह से भारत में सबसे ज्यादा हिंदी भाषा की फिल्में ही बनती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जिनकी हिंदी में गजब की पकड़ है और वे गर्व से हिंदी बोलते हैं। हालांकि, आज इस खास मौके पर हम आपको उन बॉलीवुड सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हैं लेकिन पढ़ाई हिंदी मीडियम से की है।

कंगना रनौत : कंगना रनौत की हिंदी में मजबूत पकड़ है। वह अक्सर हिंदी भाषा को बढ़ावा देने की बात करती हैं और इसी के साथ उन लोगों को फटकार भी लगाती हैं, जो हिंदी भाषा का मजाक उड़ाते हैं। कंगना ने कुछ समय पहले अपने बचपन की तस्वीरें साझा की थीं और लिखा था, ‘मैं तब 12 साल की थी और ये मेरे टीचर सतीश शुक्ला जी हैं। मैं एक हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ती थी, जिसका नाम हिल वैली स्कूल था।’

मिस यूनिवर्स बनीं सुष्मिता सेन : सुष्मिता सेन 1994 में 18 की उम्र में मिस यूनिवर्स बनी थीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी पढ़ाई हिंदी मीडियम स्कूल से हुई है और शुरू में उनकी अंग्रेजी अच्छी नहीं थी। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में उन्हें एक सवाल ही समझ नहीं आया, क्योंकि वो अंग्रेजी में था, लेकिन अपनी बुद्धि और कौशल से अच्छा जवाब देकर सुष्मिता ने जजों का दिल जीत लिया और मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम कर लिया।

अनुपम खेर और पंकज त्रिपाठी : अनुपम खेर पिछले कई दशकों से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। वह उन चुनिंदा अभिनेताओं में से हैं, जो बड़े ही सरल शब्दों में हिंदी के शब्दों का प्रयोग करते हैं। इन्होंने पढ़ाई भी हिंदी मीडियम से की थी। वह जिस जमाने में शिमला के डीएवी स्कूल से पढ़े थे, वो हिंदी मीडियम हुआ करता था। उधर अभिनेता पंकज त्रिपाठी बिहार के डीपीएच स्कूल, गोपालगंज से पढ़े हैं। कोई शक नहीं कि हिंदी में उनकी डायलॉग डिलिवरी कमाल की है।

मनोज बाजपेयी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी : टीवी धारावाहिक ‘स्वाभिमान’ से करियर की शुरुआत करने वाले मनोज बाजपेयी अब फिल्मों से सफर तय करते हुए ओटीटी तक की दुनिया में छा चुके हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई उनकी पढ़ाई झुग्गी-बस्ती के बीच स्थित एक हिंदी मीडियम स्कूल से हुई थी। दूसरी ओर नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी हिंदी बोलने में माहिर हैं। उप्र के मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना कस्बे में पैदा हुए नवाजुद्दीन की स्कूली शिक्षा इस कस्बे में मौजूद बीएसएस इंटर कॉलेज से हुई थी।

बड़े उत्साह से मनाते हैं गणेशोत्सव, घर में रहती है धूमधाम

भगवान गणपति के सच्चे भक्त हैं ये बॉलीवुड सितारे

मुंबई। देशभर में जहां गणेशोत्सव की धूम देखने को मिल रही है, वहीं दूसरी ओर मायानगरी मुंबई में भी इस त्योहार की एक अलग ही रौनक देखने को मिलती है। खासकर फिल्मों और छोटे पर्दे के सितारे इस पर्व को बड़े हर्षो-उल्लास के साथ मनाते हैं। न सिर्फ हिंदू कलाकार, बल्कि मुस्लिम सितारे भी बप्पा के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। गणेश चतुर्थी के खास मौके पर आइए आपको उन सितारों से मिलवाते हैं, जो गणपति के बड़े भक्त हैं।

शिल्पा शेट्टी और अमिताभ बच्चन

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हर साल दिल खोलकर अपने घर में बप्पा का स्वागत करेती हैं। शिल्पा की गणपति पर गहरी आस्था है। उनका वो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें बैसाखी के साथ चलते हुए और भगवान गणेश का अपने घर में स्वागत करने के लिए आते हुए देखा गया था। उधर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी गणपति के परम भक्त हैं। वह हर साल अपने परिवार के साथ गणपति का जोरदार स्वागत करते हैं।

सलमान खान और शाहरुख खान

सलमान खान व उनकी बहन अर्पिता खान शर्मा हर साल अपने घर में बप्पा को लेकर आते हैं। खान परिवार का शायद ही कोई सदस्य ऐसा होगा, जो इस पर्व में शामिल न होता हो। दूसरी ओर शाहरुख खान भी हर हिंदू त्योहार को धूमधाम से मनाते हैं। वह गणपति बप्पा में बहुत विश्वास रखते हैं और हर साल अपने घर पर उनकी मूर्ति स्थापित करते हैं। अभिनेता अपने परिवार को और बच्चों समेत ये उत्सव मनाते हैं।

संजय दत्त और सैफ अली खान

संजय दत्त भी इन्हीं सितारों में शुमार हैं। उनके साथ-साथ उनकी पत्नी मान्यता दत्त भी गणपति बप्पा से बहुत प्रेम करती हैं। भगवान गणेश की आराधना करते हुए दत्त परिवार की तस्वीरें हर साल सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। उधर सैफ अली खान हर साल अपनी पत्नी करीना कपूर और दोनों बच्चों के साथ अपने घर पर गणपति बप्पा की स्थापना करते हैं।

ये सितारे भी सूची में शामिल

सैफ की बेटी सारा अली खान और उनकी बहन सोहा अली खान भी गणपति की जमकर पूजा करती हैं। दोनों हर साल बप्पा का स्वागत करती हैं। दीया मिर्जा, ऋतिक रोशन और श्रद्धा कपूर के घर भी हर साल बप्पा का आगमन होता है।

गोविंदा और जैकी श्रॉफ

गणेश चतुर्थी पर गोविंदा के घर हर साल बप्पा विराजमान होते हैं। उनका पूरा परिवार बप्पा की भक्ति में लीन रहता है। भगवान गणेश से गोविंदा का प्रेम जगजाहिर है। दूसरी ओर जैकी श्रॉफ भी खूब जोर-शोर से अपने घर पर गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। पूरा श्रॉफ परिवार इस मौके पर साथ आता है और गणेश चतुर्थी को धूमधाम से मनाता है। बप्पा की भक्ति में लीन हर साल जैकी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nnews100@gmail.com

राजस्थान

08

भीलवाड़ा

बुधवार,25 ,सितम्बर ,2024

सरकारी नौकरियों को लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का विवादित बयान

हरियाणा की सियासत में छाया 'बिना खर्ची, बिना पर्ची' का मुद्दा कांग्रेस पर हमलावर हुई भाजपा, जमकर मचा राजनीतिक घमासान

कांग्रेस के गन्नौर उम्मीदवार कुलदीप शर्मा ने हरियाणा में सरकारी नौकरियों को लेकर विवादित बयान दिया है, जिसे लेकर जमकर सियासी घमासान हो रहा है। हरियाणा में युवाओं के बीच बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। यही वजह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने दो लाख सरकारी नौकरियों के भर्ती प्रक्रिया को जल्द शुरू करने के वादे किए हैं।

सोनीपत

हरियाणा में सरकारी 'नौकरियों में भर्ती' बड़ा चुनावी मुद्दा बना हुआ है। 'बिना खर्ची बिना पर्ची' के मामले में भाजपा और कांग्रेस के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। सरकार बनने पर दोनों ही पार्टियों ने दो लाख सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शासनकाल में रिश्वत देकर नौकरियां लगती थीं। लेकिन भाजपा की सरकार में बिना कुछ खर्च किये काबीलियत पर युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। सोनीपत के गन्नौर विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप शर्मा ने हाल ही में अपनी एक सभा के दौरान विवादास्पद बयान दिया था कि जब हमारी सरकारी थी, तब भी हमने भर्ती किया था, लेकिन इस बार आपके गांव का कोटा 20 से 25 फीसदी तक बढ़ाएंगे। कुलदीप शर्मा हुड्डा सरकार में स्पीकर रह चुके, उनका ये बयान सेशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लेकिन कुलदीप शर्मा अपने इस बयान से पीछे हटने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल में नहीं, बल्कि भाजपा शासन में भ्रष्टाचार हुआ है। कुलदीप शर्मा अपने बयान को लेकर कहते हैं कि अगर भाजपा के कार्यकाल में इतनी ही पारदर्शी तरीके से भर्ती हुई हैं, तो क्यों परीक्षाएं रद्द हुई गईं? इनके शासनकाल में सूटकेस पहुंचाकर भर्ती होती है। भाजपा हरियाणा चुनाव में बिना खर्ची बिना पर्ची का नारा जोरशोर से उठा रही है। हरियाणा सरकार में हुई करीब दो लाख भर्तियों को लेकर भाजपा का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया में कोई भी सिफारिश और पैसा नहीं लिया है। पारदर्शी तरीके से भर्तियां हुई हैं। इसका जिक्र भाजपा के नेता अपनी तमाम रैलियों में करते हैं। गन्नौर से भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक का आरोप है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार से भरी हुई है, पहले हुड्डा पैसा लेकर भर्तियां करते थे, लेकिन अब भाजपा ने सब बंद करवा दिया है। गरीबों के बच्चों को नौकरी मिली है।

कांग्रेस भ्रष्टाचार से भरी हुई, पहले हुड्डा पैसा लेकर भर्तियां करते थे, भाजपा ने सब बंद करवा दिया

कुलदीप शर्मा

देवेंद्र कौशिक

कांग्रेस 'दलित विरोधी' पार्टीः सीएम सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस को 'दलित विरोधी' पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य के दलितों को यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा का शासन उनके लिए कितना 'खतरनाक' तथा 'हिंसक' था। सैनी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जिनके पैरों में सालों तक नाल ठोंकी गयी हो, उनसे लोहे का स्वाद नहीं पूछते। हरियाणा के दलितों को यह बताने की जरूरत नहीं है कि कांग्रेस और हुड्डा का शासन दलितों के लिए कितना खतरनाक और हिंसक था, जिसके डरावने सपने उन्हें आज भी आते हैं। दलित उत्पीड़न के सभी मामलों में हुड्डा सरकार की साफ मिलीभगत थी या मौन समर्थन था। उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार के दौरान गोहाना और मिर्चपुर की घटनाओं का भी जिक्र किया।

कांगेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा बोले

भाजपा ने हरियाणा के लोगों के लिए कुछ नहीं किया

चंडीगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा है कि उनकी पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को 'रात्रि चौकीदार' के रूप में लाए जाने के बाद पार्टी में 'आंतरिक कलह' देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भारी जीत होगी। यह अभूतपूर्व होगा। लोग राज्य में भाजपा के 10 साल के कुशासन के खिलाफ मतदान करेंगे। भाजपा समाज के हर तबके के लिए "विफल" रही है और उसने हरियाणा के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता बाजवा ने दावा किया कि राज्य के युवा अग्निपथ योजना के मुद्दे पर राज्य सरकार से नाराज हैं जबकि किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी समेत अपनी कई मांगों को लेकर भाजपा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 साल के शासन के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है। हरियाणा की जनता उनसे (भाजपा) पूरी तरह नाराज है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे बड़े मुद्दों में से एक है।

पवन खेड़ा का बड़ा दावा

मनोहर लाल खट्टर ज्वॉइन करना चाहते थे कांग्रेस, साधा था संपर्क

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस ने अपना अब तक का सबसे बड़ा सियासी दांव चला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा का दावा है कि हरियाणा सीएम पद से हटाए जाने के बाद मनोहर लाल खट्टर दुखी हो गए थे और कांग्रेस के सम्पर्क साधा था। कुछ सहयोगियों के साथ कांग्रेस ज्वाइन करना चाहते थे, मगर ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का यह भी कहना है कि खट्टर की असफलताओं को छिपाने से हरियाणा की जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा। मतदाता इतने नाराज हैं कि जब इवीएम का बटन दबाते हैं तो इस बात का भी खतरा रहता है कि कहीं मशीन ना टूट जाए।

सुरजेवाल ने बढ़ा दी कांग्रेस की टेंशन

सैलजा, हुड्डा और मैं.. हम तीनों ही मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं

हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस अब तक हुड्डा बनाम सैलजा की लड़ाई का समाधान निकल नहीं पाई, इस बीच पार्टी के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने सीएम पद के लिए दावेदारी ठोक दी और खुद को हुड्डा और शैलजा की तरह सीएम पद का दावेदार बता डाला। सुरजेवाला ने कहा कि हम तीनों ही सीएम बनना चाहते हैं, लेकिन ये तो हाईकमान तय करेगा। ये सारा बखेड़ा सुरजेवाला के बेटे और कैथल से कांग्रेस उम्मीदवार आदित्य सुरजेवाला के एक बयान के बाद शुरू हुआ। दरअसल आदित्य सुरजेवाला ने सोमवार को कहा था कि सबकी आशा होती है कि वह सीएम बने, मेरे पिताजी की भी आशा है, वो अच्छी बात है, लेकिन सीएम का फैसला पार्टी आलकमान करेगा। सभी विधायक जानते हैं कि पार्टी आलाकमान ऐसे व्यक्ति को ही सीएम चुनेंगे, जो काम करे और लोगों से जुड़ा हो।

उमर अबदुल्ला और रैना सहित 239 की किस्मत 'दांव' पर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण में 26 सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा और इस दौरान करीब 25 लाख मतदाता 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। दूसरे चरण में जिन 26 सीट पर चुनाव होगा वे छह जिलों के अंतर्गत आती हैं। इनमें से तीन जिले कश्मीर संभाग के अंतर्गत हैं जबकि इतने ही जिले जम्मू संभाग के हैं। श्रीनगर जिले में 93 उम्मीदवार, बडगाम जिले में 46, राजौरी जिले में 34, पुंछ जिले में 25, गांदेरबल में 21 और रियासी जिले में 20 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कश्मीर संभाग के तहत श्रीनगर जिले में हजरतबल, खानयार, हब्बकदाल, लाल चौक, चन्नापोरा, जादीबल, सेंट्रल शाल्टेंग और ईदगाह सीट आती हैं। बडगाम जिले के अंतर्गत बडगाम, बीरवाह, खानसाहिब, चरार ए शरीफ और चडूरा सीट आती हैं। गांदेरबल जिले में दो सीट कंगन (सुरक्षित) और गांदेरबल हैं। जम्मू संभाग में जिन सीटों पर मतदान होगा उनमें रियासी जिले की गुलाबगढ़ (सुरक्षित), रियासी, श्री माता वैष्णो देवी; राजौरी जिले की कालाकोटे-सुंदरबनी, नौशेरा, राजौरी (सुरक्षित), पुंछ जिले की बुद्धल (सुरक्षित), थन्नामंडी (सुरक्षित), सुरनकोट (सुरक्षित), पुंछ हवेली और मेंढर (सुरक्षित) सीट शामिल हैं। दूसरे चरण में जिन प्रमुख उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला मतदाता करेंगे उनमें नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रवींद्र रैना शामिल हैं। अब्दुल्ला गांदेरबल और बडगाम दो सीट से चुनाव लड़ रहे हैं जबकि कर्रा सेंट्रल शाल्टेंग से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। रैना राजौरी जिले के नौशेरा का प्रतिनिधित्व करना चाह रहे हैं।

इंजीनियर अब्दुल राशिद की दो टूक

राहुल अनुच्छेद 370 बहाल का वादा करें तो दूंगा समर्थन

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के प्रमुख और बारामूला से सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी यह वादा करते हैं कि भले ही वह 50 साल बाद सत्ता में आएं, वह अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए विधेयक लाएंगे तो मैं उनका साथ दूंगा। एआईपी ने विधानसभा चुनाव में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के साथ गठजोड़ किया है। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला ने क्या कभी अनुच्छेद 370 के मामले में भूख हड़ताल की, क्या उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण हड़ताल करने को कहा?, अनुच्छेद 370 एक राजनीतिक लड़ाई थी और इसे राजनीतिक ढंग से ही लड़ा जाना चाहिए था। बारामूला के सांसद ने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की जरूरत नहीं थी। राशिद ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन एक नापाक गठबंधन है।

खबर संक्षेप

पानी समझकर पी गई डीजल, बच्ची की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में डेढ़ साल की बच्ची ने पानी की बोतल में रखे डीजल को पानी समझकर पी लिया

जिसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां 12 दिन बाद उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद परिवार सदमे में है। बच्ची के पिता ने कहा कि जो गलती हमसे हुई वह आप ना करें। बच्चों का ध्यान रखें। पुलिस के मुताबिक, मृतक बच्ची का परिवार मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं।

पीएचडी दाखिलों में आरक्षण लागू करेगा आईआईएमए

अहमदाबाद। भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद ने ऐलान किया है कि सरकार के दिशा निर्देशों के

अनुसार 2025 से पीएचडी दाखिलों में आरक्षण लागू करेगा। पीएचडी प्रोग्राम के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट 20 जनवरी 2025 है और इंटरव्यू अगले साल मार्च-अप्रैल में हो सकते हैं। एससी, एसटी, ओबीसी के साथ ही दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण लागू कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

एनआरआई कोटे का नोटिफिकेशन किया रद्द कहा- यह धोखाधड़ी के अलावा कुछ भी नहीं

एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल और डेंटल कोर्स में एनआरआई कोटो को लेकर पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें एनआरआई कोटे का धंधा बंद कर देना चाहिए। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी है।

इसके साथ ही कोर्ट ने मंगलवार को मेडिकल दाखिले में एनआरआई कोटा बढ़ाने वाले पंजाब सरकार की अधिसूचना को भी रद्द कर दी। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार है और भगवंत मान मुख्यमंत्री हैं। 10 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने भगवंत मान सरकार के 20 अगस्त के उस फैसले को खारिज कर दिया था। जिसमें मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए एनआरआई ग्रुप कोटे को 15 प्रतिशत बढ़ा दिया था। इस बढ़े हुए कोटे में दूर के रिश्तेदारों जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई-बहनों को भी शामिल किया गया था।

फैसले में कहा इस अधिसूचना के घातक परिणाम होंगे

इस मामले पर आज फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हमें धोखाधड़ी को समाप्त करना होगा, हाईकोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। राज्य सरकार के इस नोटिफिकेशन के घातक परिणाम होंगे। जिन सामान्य उम्मीदवारों के नंबर एनआईआई कोटे के छात्र से 3 गुना अधिक हैं, वो सामान्य छात्र लिस्ट से बाहर हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस पर अमल करने की नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि कानून के कुछ सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, हम कानून के सिद्धांत निर्धारित करेंगे।

ये पैसा कमाने की मशीन है

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह पैसे कमाने की मशीन के अलावा कुछ नहीं है। पीठ ने कहा कि हम सभी याचिकाओं को खारिज कर देंगे। यह एनआरआई व्यवसाय धोखाधड़ी के अलावा कुछ नहीं है। हम इस सब को खत्म कर देंगे, अब तथाकथित मिसालों की जगह कानून को प्राथमिकता देनी होगी। शीर्ष अदालत का कहना है कि वो जल्द ही इस संबंध में गाइडलाइन जारी करेंगे। तब तक के लिए यह फ्रॉड बंद होना चाहिए।

हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था नोटिफिकेशन

इस महीने की शुरुआत में, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया था जिसमें राज्य भर के मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा से एडमिशन की शर्तों में संशोधन किया गया था। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू और जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्य की 20 अगस्त की अधिसूचना, जिसमें दूर के रिश्तेदारों को शामिल करने के लिए एनआरआई उम्मीदवारों की परिभाषा को व्यापक बनाया गया था।

एनआरआई कोटे की आड़ में धांधली की

अदालत ने कहा कि एनआरआई कोटा मूल रूप से वास्तविक एनआरआई और उनके बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए था, जिससे उन्हें भारत में शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिले। हालांकि, चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई-बहनों जैसे रिश्तेदारों को एनआरआई श्रेणी में शामिल करने के सरकार के कदम ने नीति के मूल उद्देश्य को कमजोर कर दिया। अदालत ने कहा कि परिभाषा को व्यापक बनाने से संभावित दुरुपयोग का द्वार खुल जाता है, जिससे नीति के उद्देश्य से बाहर के व्यक्ति इन सीटों का लाभ उठा सकते हैं, जो संभावित रूप से अधिक योग्य उम्मीदवारों को दरकिनार कर सकते हैं।' अदालत ने 28 अगस्त को गीता वर्मा और अन्य उम्मीदवारों की याचिका प्राप्त करने के बाद पहले ही नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी थी।

फैसले के खिलाफ पहुंचे थे हाईकोर्ट

बता दें कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने 20 अगस्त को नोटिस जारी करते हुए सरकार ने नीट के एडमिशन में एनआरआई कोटा देने का ऐलान किया था। पंजाब सरकार ने एनआरआई को 15 प्रतिशत तक आरक्षण देने का ऐलान किया था। जिसके बाद डॉ बीआर अंबेडकर स्टेट इंस्टीटयूट मेडिकल साइंसेज मोहाली में एमबीबीएस की जनरल सीटें कम कर दी गई थी। कम की गई सीटों को एनआरआई कोटे में शामिल कर दिया गया। जिसके बाद कुल छात्र इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में पहुंच गए। 10 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने इस कोटे को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी।

युवा हल्ला बोल संगठन का कांग्रेस में विलय

बिहार के बेरोजगारों की आवाज मुखर करने वाले अनुपम कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली

बेरोजगार युवाओं के कई आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले संगठन युवा हल्ला बोल के अध्यक्ष अनुपम मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। अपने संगठन "युवा हल्ला बोल" का विलय भी औपचारिक रूप से कांग्रेस में कर दिया। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की मौजूदगी में अनुपम ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान युवा हल्ला बोल के कई अन्य नेता भी कांग्रेस में शामिल हुए। युवा हल्ला बोल संगठन ने रोजगार के मुद्दे पर बिहार और देशभर में आंदोलन किए हैं। पवन खेड़ा ने कांग्रेस में उनका स्वागत करते हुए कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी बेरोजगारी का मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं। अनुपम ने 113 संगठनों का एक मंच बनाया और उस मंच के माध्यम से इन्होंने प्रदर्शन किए, जेल भी गए। अग्निपथ योजना का भी भरपूर विरोध किया। इनकी संगठन की समझ बहुत अच्छी है, मुझे पूरा भरोसा है कि कांग्रेस परिवार के साथ अनुपम युवाओं की आवाज को और अच्छे से बुलंद कर सकेंगे।

सबसे अधिक नैतिक बल राहुल गांधी के पास

इस अवसर पर अनुपम ने कहा, आज हमारे देश में जो लड़ाई चल रही है, वह दो ताकतों के बीच है। एक ताकत इस देश को बेचना चाहती है। दूसरी ताकत इस देश को बचाना चाहती है। एक वो हैं जो भारत को तोड़ना चाहते हैं, और दूसरे वो हैं जो भारत को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। न्याय के लिए नैतिक बल चाहिए, वह नैतिक बल आज की राजनीति में सबसे ज्यादा राहुल गांधी के पास है। इसलिए वह कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़े हैं।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुद्रकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चित्तौड़वालों की हवेली के पास, इन्द्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्लांट, 12 इन्द्रा सर्किल, गडरियाखेड़ा, शारदा ड्रीम कॉलोनी के पास चित्तौड़ रोड, भीलवाड़ा राजस्थान से मुद्रित। सम्पादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मो. 9214417111, 8005910698, e-mail: namasterajasthan11@gmail.com, nnews100@gmail.com